वर्ष : 16 ❖ अंक : 204 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शनिवार, 05 मार्च 2022

पूर्वांचल की जनता बीजेपी को हटाने का मन बना चुकी : अखिलेश यादव 3

बेटे की तरह नमक का कर्ज चुकाता रहूंगा : पीएम मोदी 8

पवन चामलिंग अब सिक्किम की राजनीति में अनुचित : सीएम गोले

एक ही दिन में 15 सौ से अधिक एसडीएफ समर्थक एमकेएम में शामिल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मार्च। एसडीएफ पार्टी के 30वें स्थापना दिवस के अवसर पर इसके पंद्रह सौ से अधिक कार्यकर्ता और समर्थक सत्तारूढ़ एसकेएम पार्टी में शामिल हो गए। शुक्रवार को एसकेएम के राज्यव्यापी कार्यक्रम के दौरान एसडीएफ कार्यकर्ता और समर्थक सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल हुए।

एसकेएम पार्टी द्वारा मल्ली निर्वाचन क्षेत्र के सुंबुक बीएसी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 1,500 एसडीएफ समर्थक शामिल हुए, जिसमें मल्ली निर्वाचन क्षेत्र से 1,133 और अन्य निर्वाचन क्षेत्रों से 350 लोग शामिल हैं। इस मौके पर एसकेएम पार्टी के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री पीएस गोले खुद मौजूद थे। सुंबुक में आयोजित कार्यक्रम में एसडीएफ छोड़कर एसकेएम में शामिल होने वालों में जूम सालघरी की एसडीएफ प्रत्याशी धन कुमारी खाटी, इसी निर्वाचन क्षेत्र के सीएलसी अध्यक्ष भुवन तिवारी, दक्षिण जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीम लाखे, नामची के मिलन राई, राबोंगके पुलुपुल भूटिया शामिल थे। तुरुक के हर्क खालिंग और विभिन्न ग्राम पंचायत सदस्य तथा एसडीएफ समर्थक शामिल थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसकेएम पार्टी के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री पीएस गोले ने एसडीएफ पार्टी के 30वें स्थापना दिवस पर बधाई दी, लेकिन कहा कि पार्टी अब सिक्किम की राजनीति में अनुचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री और एसडीएफ अध्यक्ष पवन चामलिंग ने अपने कार्यकाल में युवाओं को आगे बढ़ने का मौका नहीं दिया और हमेशा उन्हें बोन्साई बनाए रखा। दूसरी ओर, उन्होंने यह भी दावा किया कि पवन चामलिंग अब नेतृत्व नहीं कर सकते। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग को पद न संभालने की सलाह भी दी।

सीएम गोले ने यह दावा किया कि पवन चामलिंग के अभिमान और अहंकार के कारण ही उनका पतन हुआ। सीएम गोले ने दावा किया कि एसकेएम पार्टी 2024 में सिक्किम के सभी 32 निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी विनम्रता और प्रेम के बल पर जीत हासिल करेगी। सीएम गोले ने कहा कि एसडीएफ पार्टी चामलिंग और परिवार की प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन गई है। यह सार्वजनिक पार्टी नहीं रह गई है। इसने सिर्फ अपने परिवार के लिए काम किया है सिक्किम के युवाओं के लिए नहीं। श्री गोले ने कहा कि एसडीएफ पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं को बैंक ऋणों में डुबो दिया है। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नी टिकमाया चामलिंग द्वारा मैनम गार्डन के नाम पर बागवानी विभाग से लिए गए धन का विवरण भी प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पीएस गोले ने बताया कि सरकार नौवीं कक्षा से ऊपर की किशोरियों के लिए एक सिस्टर योजना शुरू करेगी, जिसके तहत बालिकाओं को मुफ्त सैनिटरी पैड प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले वर्ष घोषित मातृ योजना के तहत सरकार इस वर्ष से प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में 500 माताओं के नाम 20 हजार रुपये सालाना जमा करेगी। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कई अन्य योजनाओं का भी खुलासा किया और कहा कि अगले महीने जोरथांग में एसकेएम पार्टी का चार दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

सिक्किम के लोगों की सुरक्षा के लिए गोली खाने को भी तैयार हूं : चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मार्च । सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) पार्टी ने अपना 30वां स्थापना दिवस यहां इंदिरा बायपास स्थित एसडीएफ मुख्यालय में भव्य तरीके से मनाया। इस समारोह में पार्टी अध्यक्ष पवन चामलिंग उनकी धर्मपत्नी टीका माया चामलिंग के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

पार्टी अध्यक्ष पवन चामलिंग ने समारोह को संबोधित करते हुए पार्टी के संस्थापक सदस्यों को याद किया और पार्टी और सिक्किम के विकास में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि पार्टी के इस लंबे कार्यकाल के दौरान कई लोग आए और कई ने पार्टी छोड़ दी लेकिन 2019 में चुनाव हारने के बाद जिन्होंने पार्टी छोड़ दी, मैं उनके अच्छे भविष्य की कामना करता हूं और आशा करता हूं कि वे आगे बढ़ते रहेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि एसडीएफ सिक्किम की पहली क्षेत्रीय पार्टी है जिसने अपना 30वां स्थापना दिवस मनाया और हमारे पास सबसे पहले सिक्किम और सिक्किम का मूल दृष्टिकोण था। उन्होंने कहा कि एसडीएफ पार्टी एक संस्था है क्योंकि हमारे पास विचारधारा, दृष्टि, नीति, कार्यक्रम और साहित्य है, इसी तरह यह एक ऐसी पार्टी है जिसने राजनीतिक के क्षेत्र में नेताओं को मंच प्रदान किया है जो आज सत्ता और विपक्ष दोनों में चमक रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का भी अफ़सोस है कि शासन काल में विभिन्न स्तरों पर मिले अपने अपार योगदान के लिए हमारी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं को कभी आभार नहीं दिया गया, इसके लिए मैं क्षमा मांगता हूं। भविष्य में ऐसी गलती नहीं दोहराने का वादा करता हूं। उन्होंने कहा कि जब हम सत्ता में आए तो हम बहुत छोटे थे लेकिन आज पार्टी 30 साल की हो गई है और अब यह युवा पार्टी है। यह युवाओं की पार्टी है। उन्होंने कहा कि पार्टी का नेतृत्व युवा करेंगे और हम अनुभवों के अनुसार प्रबंधन, मार्गदर्शन करेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं पथराव और अन्य धमकियों से डरता नहीं हूं और राज्य के लोगों के लिए जरूरत पड़ने पर गोली खाने को भी तैयार हूं। मैंने अपना जीवन यहां के लोगों को समर्पित कर दिया है। उन्होंने सिक्किम के लोगों को विश्वास करने और एसडीएफ पार्टी को लगातार पांच बार राज्य में शासन करने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा राज्य के लोगों को मिले सभी आश्वासन पूरे किए गए और कभी भी विश्वासघात नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि हम अभी भी अपनी प्रतिबद्धता पर कायम हैं और भविष्य में हम सिक्किम और यहां के लोगों के लिए किसी भी परिस्थिति में मजबूती से खड़े रहेंगे, हम कोई समझौता नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि एसडीएफ एक पारदर्शी पार्टी है और इसका कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है, हम जैसा वादा करते हैं या कहते हैं वैसा ही करते हैं। सत्ताधारी दल का दावा है कि मैंने या मेरी पार्टी ने हमारे शासन के कार्यकाल में कुछ नहीं किया लेकिन मैं कहता हूं कि हमने बहुत कुछ किया। एसडीएफ पार्टी ने न केवल वर्तमान सिक्किम के निर्माण में बल्कि देश के लिए भी योगदान दिया है। 1994 में हमारी सरकार बनने के बाद हमने राज्य के लोगों को आजादी दी। हमारी सरकार के दौरान हमने सभी आवश्यक बुनियादी लाभों का फायदा उठाते हुए सिक्किम का निर्माण किया, लोगों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ पेयजल, बिजली, आवास जैसे अधिकार और यहां तक कि सिक्किम के लोगों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए एक बड़े बुनियादी ढांचों का विकास किया।

इसके साथ ही सत्तारूढ़ एसकेएम पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल जानता था कि एसडीएफ हर साल 4 मार्च को अपना स्थापना दिवस मनाता है। इसके बावजूद उसकी ओर से हमारे कार्यक्रम में लोगों को रोकने के लिए विभिन्न हथकंडे अपनाए गए। सत्ताधारी दल का यह कृत्य वास्तव में अलोकतांत्रिक है, साजिश से भरा है और यहां तक कि कायरतापूर्ण भी है। मैंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में ऐसी कायर पार्टी कभी नहीं देखी थी, ऐसा लगता है कि एसडीएफ उनका दु:स्वप्न बन गया है।

उन्होंने कहा कि मैं सत्तारूढ़ एसकेएम पार्टी को 21वीं सदी की पार्टी के रूप में नहीं देखता, उनकी कार्रवाई को देखकर ऐसा लगता है कि राज्य में पूर्व ऐतिहासिक युग का शासन चल रहा है। उन्होंने कहा कि यह डिजिटल ज्ञान एक पारदर्शी दुनिया का युग है। वर्तमान में शासन करने वाले लोग पुराने लगते हैं क्योंकि वे बदलती दुनिया का सामना करने में असमर्थ हैं और अगर ऐसे लोगों का पालन सिक्किम के लोग करते हैं तो राज्य कभी भी प्रगति नहीं करेगा।

एसडीएफ अध्यक्ष पवन चामलिंग ने कहा कि हमने राज्य में लोकतंत्र बहाल किया, लोगों को आजादी दी और लोगों को भी निडर बनाया। एसडीएफ शासन के दौरान हमने ग्रामीण विकास में बजट का 70 प्रतिशत आवंटित किया। शिक्षा, स्वास्थ्य को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। हमारी पार्टी की सरकार ने गरीबी को दूर कर बेहतर जीवन शैली दी। छात्रों को कॉलेज तक मुफ्त शिक्षा की सुविधा दी गई, राज्य में हर घर में बिजली, पानी उपलब्ध कराया गया। हमने राज्य को हवाई मानचित्र और रेलवे मानचित्र से भी जोड़ा और हमारे कार्यकाल के दौरान वैकल्पिक

राजमार्ग की शुरुआत की गई। हमने एम्स के बाद राज्य में दूसरा सबसे बड़ा अस्पताल बनाया। राज्य को जैविक बनाया जिसने राज्य को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। ऑर्गेनिक ब्रांड से उन्होंने राज्य के युवाओं और उद्यमियों से लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने पर्यटन के क्षेत्र में भी एसडीएफ सरकार के पहल की जानकारी दी।

पवन चामलिंग ने कहा कि हमने वर्तमान सत्तारूढ़ पार्टी को देश के दूसरे सबसे अमीर राज्य, स्वच्छ, जैविक राज्य, सर्वश्रेष्ठ कानून व्यवस्था वाले राज्य, शांत और सुरक्षित राज्य, सबसे खुशहाल राज्य, उच्चतम जीवन प्रत्याशा राज्य, सर्वश्रेष्ठ लोकतांत्रिक शासन राज्य के रूप में शासन सौंपा था। लेकिन आज सिक्किम सरकार कर्ज ले रही है, राजस्व और अर्थव्यवस्था घाटे में है। उन्होंने कहा कि यह हम सभी के लिए सिर्फ प्रचार के बजाय नए आयाम में राजनीति करने का समय है।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार वर्ष 2024-25 से सभी राज्यों को राजस्व घाटा अनुदान देना बंद कर देगी और यदि सरकार द्वारा राजस्व के वर्तमान कुप्रबंधन को देखते हुए ऐसा होता है, तो सिक्किम के पास सरकारी कर्मचारियों को भी वेतन देने के लिए धन नहीं होगा। हमने जनता को दिखाए गए एसकेएम पार्टी के झूठे सपने से रूबरू कराया है। उन्होंने सत्ता में आने के लिए झूठ का सहारा लिया। हम इस दिशा में काम करेंगे कि सिक्किम का कोई भी युवा बेरोजगार या आर्थिक रूप से कमजोर न हों।

उन्होंने कहा कि महामारी का प्रभाव सभी पर पड़ा लेकिन सिक्किम के लोगों को अनुचित, अनियोजित तालाबंदी के कारण अधिक नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कोविड राहत कोष जारी किया गया था, लेकिन हम नहीं जानते कि धन कहां और कैसे वितरित या प्रबंधित किया गया। हम राज्य सरकार से इस पर एक श्वेत पत्र जारी करने की अपील करते हैं। एसडीएफ सरकार ने अपने कार्यकाल में स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र को प्राथमिकता के आधार पर बजट का हिस्सा आवंटित किया था। लेकिन आज सत्तारूढ़ सरकार के तहत स्वास्थ्य क्षेत्र का बजट हिस्सा इस मुश्किल समय में भी बढ़ने के बजाय आधा कर दिया गया है। सभी सेक्टर जो महत्वपूर्ण हैं, आम नागरिकों के लिए आवश्यक बजट हिस्सेदारी कम हो गई है।

उन्होंने सचिवालय में तोड़फोड़ की घटना जिक्र करते हुए कानून व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो सरकार इतनी महत्व की जगह को सुरक्षा नहीं दे सकती है, सिक्किम के लोग ऐसी सरकार से क्या उम्मीद कर सकते हैं।

उन्होंने सचिवालय में तोड़फोड़ की उच्चस्तरीय जांच का अनुरोध किया और अपील की कि जांच राज्य द्वारा नहीं केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की जानी चाहिए। कार्यक्रम में एक वेबसाइट का भी लोकार्पण किया गया तथा कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ली।

जनता को वर्तमान और पूर्व नेतृत्व पर करना चाहिए चिंतन : मंत्री शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

गेजिंग, 04 मार्च। पश्चिम जिले में गेजिंग बर्मेक निर्वाचन क्षेत्र बर्मेक सामुदायिक भवन में एसकेएम पार्टी का समावेशी कार्यक्रम आज संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि मंत्री और गेजिंग बर्मेक के विधायक लोकनाथ शर्मा की। इसमें पशुपालन विभाग के सलाहकार दुर्गा प्रसाद प्रधान, मुख्यमन्त्री के अतिरिक्त राजनीतिक सचिव मधुसूदन शर्मा, पंचायत प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष अशोक प्रधान, मजदूर मोर्चा के उपाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र थापा, पश्चिम जिला अध्यक्ष एबी लिम्बू , गेजिंग नगर पंचायत सभापति देवेन्द्र चापागाईं, नारी शक्ति जिला चेली उप संयोजक बीएम भण्डारी पंचायत एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आज के इस समावेशी कार्यक्रम में विशेष रूप से अनेक पंचायत के एसडीएफ समर्थक सत्तारूढ़ सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा पार्टी में शामिल हो गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मन्त्री शर्मा ने हाथों गेजिंग बर्मेक निर्वाचन क्षेत्र की वेबसाईट एप्लिकेसन मेरो निर्वाचन क्षेत्र का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक पार्टी त्याग कर आज सत्तारूढ सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा पार्टी में विभिन्न पंचायतों के 41 लोग शामिल हुए।

सभी का मंत्री ने पार्टी में स्वागत किया।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री शर्मा ने कहा कि हमारी पार्टी सत्ता में रहकर अहंकार नहीं करती है और सत्ता में न रहते हुए भी हम हतोत्साहित नहीं हुए। साधरण नागरिक भी विधायक तथा मंत्री बन सकते हैं इसका उदाहरण इस निर्वाचन क्षेत्र की जनता है।

उन्होंने कहा कि जनता को कल के नेतृत्व और आज के नेतृत्व पर चिंतन करना चाहिए। वर्तमान सरकार के गठन के बाद विकास क्रम जारी है, हमारी सरकार आने के साथ एक सौ सिक्किम गरीब आवास योजना के घर लाभार्थियों को सौंपे गए दिए जाने थे इनमें से 80 घर लाभार्थियों को सौंप दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार विभिन्न सामाजिक क्षेत्र में भी आम जनता को सहयोग कर रही है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में हो रहे विकास पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार में केवल भवनों का ही निर्माण किया गया था इसमें आवश्यक समग्रियों का अभाव था। जिस कारण ठीक से उपचार नहीं हो पाता था।

शिक्षा के विकास के लिए मिलकर करें काम : सांसद सुब्बा

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 04 मार्च। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गेजिंग ने आज अपने संस्थान परिसर में सांस्कृतिक उत्सव तथा रचनात्मक कला और सीखने के तरीके पर प्रदर्शनी का आयोजन किया। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद इंद्र हांग सुब्बा मुख्य अतिथि और उप निदेशक, शिक्षा राजेश थापा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि सांसद सुब्बा ने अपने संबोधन में सभी प्रतिभागियों की सराहना की और उनके प्रयासों में सफलता की कामना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों में अधिक से अधिक छात्रों को भाग लेना चाहिए और उनके प्रयासों में सफलता की कामना की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य कला और संस्कृति के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सिक्किम में शिक्षा प्रणाली के उत्थान के लिए मिलकर काम करने के लिए हमेशा तैयार है। इससे पूर्व मुख्य अतिथि ने संस्थान परिसर में नवनिर्मित ओपन लर्निंग सेंटर का उद्घाटन किया और क्रिएटिव आर्ट्स और टीएलएम हॉल का भी दौरा किया।

एसकेएम कभी झूठी राजनीति में नहीं होगी शामिल : अरुण उप्रेती

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मार्च । राज्य के शहरी विकास मंत्री अरुण उप्रेती ने राजधानी के पुराने वेस्ट प्वाइंट कॉम्प्लेक्स और साउथ वेस्ट टैक्सी स्टैंड में निर्माणाधीन बहुउद्देश्यीय कार पार्किंग और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के फैसले को सच्चाई की जीत करार दिया। आज अरिथांग में सत्तारूढ़ एसकेएम पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने यह टिप्पणी की।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दल और संगठन इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं और हाम्रो सिक्किम पार्टी की अध्यक्ष श्रीमती वीणा बस्नेत ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में इसके खिलाफ एक याचिका दायर की थी। श्रीमती बस्नेत की याचिका पर संज्ञान लेते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने निर्माण कार्य को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था और राज्य सरकार के साथ-साथ संबंधित निकायों से जवाब मांगा था। बाद में सुनवाई के दौरान ट्रिब्यूनल ने याचिका खारिज करते हुए निर्माण कार्य को हरी झंडी दे दी।

मंत्री अरुण उप्रेती, जो एसकेएम पार्टी के महासचिव भी हैं, ने कहा कि पार्टी कभी भी झूठी राजनीति में शामिल नहीं होगी और सच्चाई को ध्यान में रखते हुए पारदर्शी तरीके से सब कुछ करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने मॉडल बनाया था कि पुराने वेस्ट प्वाइंट स्कूल परिसर में क्या होगा, लेकिन विपक्ष ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल से शिकायत कर दी। उन्होंने कहा कि विपक्षियों को यह महसूस हुआ कि अगर परियोजना

पूरी हो गई, तो एसकेएम पार्टी को हिलाया नहीं जा सकता है वे इसका विरोध करने लगे।

मंत्री उप्रेती ने कहा कि आरिथंगा और सिक्किम के लोग समझेंगे कि सरकार ने अच्छा काम किया है या नहीं। उन्होंने पिछली सरकार पर कभी भी इतने पारदर्शी तरीके से काम नहीं करने का आरोप लगाया। वहीं आज के कार्यक्रम में एसडीएफ के 15 कार्यकर्ता आज सत्तारूढ़ एसकेएम पार्टी में शामिल हो गए। विधायक एवं सिक्किम शहरी विकास मंत्री अरुण उप्रेती ने उन सभी का पार्टी में स्वागत किया। इस अवसर पर सिक्किम सरकार के खादी बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती चुंगचुंग भूटिया, समाज कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष खगेंद्र मोहोरा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री उप्रेती ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग दूसरी पार्टी को छोड़कर स्वेच्छा से एसकेएम पार्टी में (शेष पृष्ठ ०३ पर)

मंत्री पुत्र आशीष की जमानत के खिलाफ अपील पर सुप्रीम कोर्ट में 11 मार्च को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 04 मार्च (एजेन्सी)। उच्चतम न्यायालय लखीमपुर खीरी 'हत्याकांड' के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय से मिली जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका पर 11 मार्च को सुनवाई करेगा।

आरोपी आशीष केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी का बेटा है। शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय खंडपीठ की अध्यक्षता कर रहे मुख्य न्यायाधीश एन वी रमन ने शुक्रवार को वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण के 'विशेष उल्लेख' पर कहा कि वह इस अपील पर 11 मार्च को सुनवाई कर सकते हैं। प्रशांत भूषण ने इस मामले को अत्यावश्यक बताते हुए खंडपीठ के समक्ष शीघ्र सुनवाई की गुहार लगाई थी।

मृतक किसानों के परिजनों का नेतृत्व कर रहे जगजीत सिंह की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने फरवरी में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा आशीष को जमानत दिए जाने को कानूनी प्रक्रिया और अन्याय की अनदेखी करार दिया है। इससे पहले, अधिवक्ता सी एस पांडा और शिव कुमार त्रिपाठी ने भी केंद्रीय राज्य मंत्री के पुत्र की जमानत के खिलाफ सर्वोच्च अदालत में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी।

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में पिछले साल तीन अक्टूबर को कथित रूप से आशीष की कार से कुचलकर चार किसानों की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद भड़की हिंसा में दो भाजपा कार्यकर्ताओं के अलावा एक कार चालक और एक पत्रकार की मृत्यु हो गई थी।

तीन अक्टूबर 2021 को हुई इस घटना के मामले में अधिवक्ता सी एस पांडा और शिव कुमार त्रिपाठी ने जनहित याचिका के साथ पिछले साल शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। तब अदालत ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति राकेश कुमार जैन के नेतृत्व में पूरे मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया था।

किसानों के परिजनों की ओर से दायर विशेष अनुमति याचिका में कहा गया है कि उच्च न्यायालय ने 10 फरवरी के अपने आदेश में आशीष को जमानत देने में 'अनुचित और मनमाने ढंग से विवेक का प्रयोग' किया।

किसानों के परिजनों की याचिका में दावा किया गया है कि उन्हें कई आवश्यक दस्तावेज उच्च न्यायालय के संज्ञान में लाने से रोका गया था। याचिकाकर्ता का कहना है कि उनके वकील को 18 जनवरी

2022 को वर्चुअल सुनवाई से तकनीकी कारणों से 'डिस्कनेक्ट' कर दिया गया था और इस संबंध में अदालत के कर्मचारियों को बार-बार कॉल कर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कॉल कनेक्ट नहीं हो पाया था। इस तरह से मृतक किसानों के परिजनों की याचिका प्रभावी सुनवाई किए बिना खारिज कर दी गई थी।

जगजीत सिंह के नेतृत्व में दायर याचिका में कहा गया है कि शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने की वजहों में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आशीष की जमानत के खिलाफ अपील दायर नहीं करना भी शामिल है।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि उत्तर प्रदेश में उसी दल की सरकार है, जिस दल की सरकार में आरोपी आशीष के पिता अजय मिश्रा मंत्री हैं। याचिका में कहा गया है कि शायद इसी वजह से राज्य सरकार ने आशीष की जमानत के खिलाफ शीर्ष अदालत में याचिका दायर नहीं की। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि उच्च न्यायालय अपराध की जघन्य प्रकृति पर विचार करने में विफल रहा। उनका कहना है कि गवाहों के संदर्भ में आरोपी की स्थिति उसके न्याय से भागने, अपराध को दोहराने, गवाहों के साथ छेड़छाड़ और न्याय के रास्ते में बाधा डालने की संभावनाओं से भरा पड़ा है।

गौरतलब है कि आशीष को उत्तर प्रदेश पुलिस ने पिछले साल नौ अक्टूबर को तीन अक्टूबर की हिंसक घटना से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया था। फरवरी में वह जमानत पर जेल से रिहा कर दिया गया। तीन अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के लखीमपुर खीरी के एक कार्यक्रम के विरोध के दौरान हिंसक घटनाएं हुई थीं।

पीएम मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़कर फिर चौंकाया

दुकान में जाकर ली चाय की चुस्की, पान भी खाया

वाराणसी, 04 मार्च (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने काशी दौरे के दौरान कई बार प्रोटोकॉल तोड़कर लोगों को चौंका चुके हैं। ऐसा ही उन्होंने शुक्रवार को भी अपने वाराणसी दौरे के दौरान किया। रोड-शो और काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन के बाद बरेका लौटते समय पीएम मोदी वाराणसी के प्रसिद्ध अस्सी चौराहे पर स्थिति पप्पू की चाय की दुकान पर पहुंच गए।

वहां कुल्हड़ वाली चाय का आनंद लिया। पीएम मोदी को अचानक वहां देख लोग स्तब्ध रह गए। दुकान के बाहर भी भारी भीड़ जुट गई। लोगों ने हर-हर महादेव, जयश्रीराम के नारे के साथ ही मोदी-मोदी का नारा लगाना शुरू कर दिया।

चाय की चुस्की लेने के बाद बाहर निकले तो बगल की पान वाली दुकान पर पहुंच गए। वहां पान खाया। इस दौरान दुकानदार से हालचाल भी पूछा। दुकानदार ने उनसे आशीर्वाद देने को कहा तो उसके सिर पर हाथ रखकर आशीष भी दिया।

तीन घंटे लगातार रोडशो की थकान पीएम मोदी ने तीन कुल्हड़ चाय से मिटाई। मोदी दुकान में पहुंचे तो दुकानदार मनोज ने पूछा कैसी चाय पीएंगे। इस पर जवाब मिला बनारसी स्पेशल जो आप रोज लोगों को पिलाते हैं। दुकानदार ने हल्की चीनी, कड़क चायपत्ती और इलायची के साथ चाय बनाकर मिट्टी के कुल्हड़ में परोसी। प्रधानमंत्री ने एक कुल्हड़ चाय पीने के बाद खूब तारीफ की और एक और चाय देने को कहा।

दूसरी चाय पीने के बाद भी उनका मन नहीं भरा। दुकान से निकलते समय दुकान की सीढ़ियों पर प्रधानमंत्री ने एक और चाय पिलाने का आग्रह किया। दुकानदार ने तत्काल एक और चाय दी। पीएम ने सीढ़ी पर खड़े खड़े ही तीसरी चाय पी और दुकानदार के आग्रह करने पर उसेक सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया।

चाय दुकान से निकले तो दाहिने ओर पान की दुकान लगाए गोपाल प्रसाद चौरसिया के पास पहुंच गए। उससे बनारसी पान खिलाने की बात कही। उन्होंने दुकानदार से कहा कि पान में चूना मत डालना फिर दुकानदार ने सादी पत्ती, हीरामोती, सौफ, कत्था लगाकर प्रधानमंत्री को पान खिलाया। प्रधानमंत्री ने पान की भी तारीफ की। इसके बाद बरेका गेस्ट हाउस रवाना हो गए।

पीएम मोदी बरेका गेस्ट हाउस पहुंचने के बाद कुछ देर आराम किया और दोबारा अपनी काशी को निहारने निकल गए। बरेका गेस्ट हाउस से सबसे पहले वह वाराणसी के कैंट स्टेशन पहुंचे। यहां के वीआईपी लाउंज को देखा। वहां मौजूद कुछ यात्रियों से बातचीत की। इसके बाद बनारस के उत्तरी कोने पर स्थित खिड़किया घाट पर पहुंचे। खिड़किया घाट को कुछ समय पहले ही डेवलप किया गया है।

इससे पहले पीएम मोदी ने दिन में तीन घंटे तक तीन किलोमीटर लंबा रोड शो किया और काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन किया। पीएम मोदी शुक्रवार की दोपहर पुलिस लाइन मैदान पर हेलीकाप्टर से पहुंचने के बाद पौने चार बजे मलदहिया स्थित पटेल चौक पर पहुंचे और सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद उनका रोड शो शुरू हो गया।

मलदहिया से कबीरचौरा तक करीब डेढ़ किलोमीटर का सफर तय करने में दो घंटे का समय लग गया। इसके बाद तीन घंटे में तीन किलोमीटर का सफर तय कर पौने सात बजे काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां दर्शन पूजन के बाद परिसर का अवलोकन किया। इस दौरान डमरू दल के बाद पहुंचे और एक डमरू को अपने हाथ में लेकर खुद बजाया भी।

विश्वनाथ मंदिर से पीएम मोदी सड़क मार्ग से गोदौलिया, मदनपुरा होते हुए लंका पहुंचे। यहां बीएचयू के संस्थापक मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और लोगों का अभिवादन करने के बाद बरेका गेस्ट हाउस रवाना हो गए। बरेका में ही रात्रि विश्राम करेंगे।

रोड शो के दौरान रास्ते में जगह जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भारी भीड़ के बीच पीएम मोदी लगातार तीन घंटे खड़े रहे और लोगों को कभी हाथ हिलाकर तो कभी हाथ जोड़कर अभिवादन करते रहे। पूरे रास्ते में जश्न का माहौल दिखाई दिया। छतों से फूलों की बारिश भी होती रही।

टाटा प्ले ने बागडोगरा में खोला अपना पहला रिटेल स्टोर

बागडोगरा, 04 मार्च। भारत के प्रमुख कंटेंट डिस्ट्रीब्यूशन और पे टीवी प्लेटफॉर्म में से एक टाटा ख्रले (जिसे पहले टाटा स्काई के नाम से जाना जाता था) ने मरीना होटल के पास बागडोगरा में अपना विशेष जिंगलाला स्टोर खोलने की घोषणा की है। नया स्टोर ग्राहकों को एक ही छत के नीचे टाटा प्ले के उत्पादों और सेवाओं की रेंज का एक उन्नत अनुभव प्रदान करेगा - जिससे हर मनोरंजन अनुभव सुखद हो जाएगा। यह टाटा प्ले डीटीएच, टाटा प्ले बिंज फायर टीवी स्टिक और टाटा प्ले बिंज+ एंड्रॉइड सक्षम सेट-टॉप सहित टाटा प्ले से सेवाओं की पूरी श्रृंखला की पेशकश करते हुए ग्राहकों के लिए एक प्रत्यक्ष टचपॉइंट के रूप में काम करेगा। ब्रांड ने हाल ही में टाटा प्ले बिंज कॉम्बो पैक की घोषणा की है जो एक एकीकृत पैक में सर्वश्रेष्ठ प्रसारण चैनल और ओटीटी ऐप प्रदान करता है, जिससे मनोरंजन की खपत और अधिक उपभोक्ता के अनुकूल हो जाती है। टाटा प्ले नेटफ्लिक्स कॉम्बो पैक भी पेश किया गया जो ग्राहकों को टाटा प्ले बिंज+ स्मार्ट सेट-टॉप बॉक्स के माध्यम से अपने टीवी पर नेटफ्लिक्स देखने की अनुमति देते हैं। कुशल कर्मी पूरी खरीद प्रक्रिया के माध्यम से ग्राहकों का मार्गदर्शन करेंगे। बिक्री के बाद की सेवाओं में बॉक्स अपग्रेड, पैक और चैनल बदलना, एक अतिरिक्त रिमोट प्राप्त करना या किसी अन्य ग्राहक की शिकायतों का समाधान शामिल होगा।

टाटा प्ले के मुख्य बिक्री अधिकारी नील सुआरेस ने कहा, 'यह टाटा ख्रले को बाजार में एक बढ़ी हुई दृश्यता प्रदान करेगा और 'टच एंड फील' विकल्प की पेशकश करेगा जो भारतीय ग्राहकों की खरीद प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है। हमें विश्वास है कि यह संभावित ग्राहकों के विचार समूह में टाटा प्ले को ऊंचा करेगा।'

स्कोडा ऑटो इंडिया ने ऑल-न्यू स्लाविया 1.0 टीएसआई लॉन्च किया

सिलीगुड़ी, 03 मार्च। स्कोडा ऑटो इंडिया ने आज पूरी तरह से नई स्लाविया 1.0 टीएसआई सेडान लॉन्च की है, जिसकी कीमत 10.69 लाख रुपये है, जो मेड-फॉर-इंडिया एमक्यूबी-ए0-इन प्लेटफार्म पर दूसरा उत्पाद है। इसका लक्ष्य 2030 तक यूरोप में पांच सबसे अधिक बिकने वाले ब्रांडों में से एक होना है, जिसमें प्रवेश स्तर के खंडों और अतिरिक्त ई-मॉडल में आकर्षक लाइन-अप है।

यह अपने सेगमेंट में 1507 मिमी टॉलेस्ट, 1752 मिमी वाईडेस्ट और 2651 मिमी लांगेस्ट है और 521 लीटर की क्षमता के साथ बूट स्पेस के मामले में भी अपनी श्रेणी में सबसे आगे है। यह 1.5 टीएसआई इंजन के साथ आता है और 6 एयरबैग सहित सुरक्षा सुविधाओं से भरपूर है, कॉर्नरिंग के तहत एनहंसड ट्रैक्शन के लिए इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल इलेक्ट्रॉनिक डिफरेंशियल सिस्टम और मल्टी कोलिजन ब्रेक दुर्घटना के मामले में संभावित फॉलो-ऑन टकराव को रोकता है और कार को एक क्रमिक सुरक्षित तरीका से रोक देता। छोटे यात्रियों के लिए बढ़ी हुई सुरक्षा में बच्चे की सीटों के लिए छत पर आईसोफिक्स एंकर और टीथर पॉइंट एंकर हैं। डैश में सेंटर-स्टेज लेना 25.4 सेमी उन्नत टचस्क्रीन है जिसमें स्कोडा प्ले ऐप्स, वायरलेस स्मार्टलिंक और स्कोडा कनेक्ट सभी इंफोटेनमेंट और नेविगेशन जरूरतों के लिए डाउनलोड करने की क्षमता है। यह 20.32 सेमी कलर्ड प्रोग्रामेबल डिजिटल कॉकपिट से सुसज्जित है और इसमें मानक के रूप में 4 साल / 100,000 किमी की वारंटी है और ग्राहक स्कोडा ऑटो इंडिया के 'पीस ऑफ माइंड' कार्यक्रम के तहत विभिन्न मेंटेनेन्स पैकेजों में से चुन सकते हैं।

यह दो ट्रांसमिशन के विकल्प के साथ तीन वेरिएंट में उपलब्ध होगा और छह-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक और सनरूफ विकल्प के साथ फुल-लोडेड स्टाइल वेरिएंट के लिए 15.39 लाख में उपलब्ध होगा। विवरण 3 मार्च, 2022 को सामने आएगा। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर जैक हॉलिस ने कहा, ग्राहमने इस सेडान को ओनरशिप और मेंटेनेन्स की लागत पर भी ध्यान केंद्रित करते हुए तैयार किया है। यह स्लाविया को एक संपूर्ण उत्पाद बनाता है जो न केवल शोरूम या सडक पर शाइन करता है, बल्कि एक ओवरआल ओनरशिप एक्सपीरियंस के रूप में भी चमकता है।'

चुनाव में बेरोजगारी का मुद्दा उठाने वाली सपा एकमात्र पार्टी है : मुलायम सिंह

जौनपुर, 04 मार्च (एजेन्सी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के संरक्षक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने जाति के आधार पर भेदभाव और गरीबों पर अत्याचार का शुक्रवार को आरोप लगाया।

यादव (82) ने जौनपुर में एक चुनाव जनसभा में कहा कि उनकी पार्टी ने हमेशा गरीबों, युवाओं और समाज के उपेक्षित वर्ग के लिए काम किया है। उन्होंने कहा, देश आज बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिनमें जाति के आधार पर भेदभाव और अन्याय, गरीबों पर हो रहे अत्याचार शामिल हैं।

मैनपुरी से लोकसभा सदस्य यादव ने जौनपुर में कहा कि गरीबों के लिए कोई विशेष सुविधा नहीं है, शिक्षित युवा बेरोजगार हैं जबकि फसल पैदा करने वाले किसानों को उनकी उपज का पर्याप्त मूल्य नहीं मिलता है, ऐसे में सबसे बड़ी जिम्मेदारी सपा की होती है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के पिता मुलायम सिंह यादव ने कहा कि सपा ने हमेशा गरीब, युवा, अशिक्षित और समाज के उपेक्षित वर्ग के लिए काम किया है।

उन्होंने कहा, आपके सामने एक चुनौती यह है कि इतनी मेहनत करने के बावजूद किसानों को उनकी फसलों का पर्याप्त मूल्य नहीं मिलता है। उन्हें कोई लाभ नहीं मिल रहा है। किसानों की उपेक्षा की जा रही है। पढ़े-लिखे युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है।

यादव ने यह भी दावा किया कि केवल उनकी ही पार्टी राज्य में बेरोजगारी का मुद्दा उठा रही है। उन्होंने कहा कि अगर सपा सरकार बनाती है तो यह युवाओं को लोगों की सेवा करने के लिए रोजगार और अवसर प्रदान करेगी।

जनसभा में भारी संख्या में लोगों की भीड़ को देखते हुए यादव ने कहा कि यह स्थिति साबित करती है कि लोगों का सपा में विश्वास है और उनका विश्वास सही है क्योंकि सपा वही करती है जो वह कहती है।

उन्होंने कहा कि जब व्यापारी अधिक काम करेंगे तो जनता को भी अधिक सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने राज्य में सपा की सरकार बनने पर कारोबारी समुदाय को समर्थन देने का आश्वासन दिया।

सपा संस्थापक अपने लंबे समय से सहयोगी रहे पारसनाथ यादव के बेटे लकी यादव के समर्थन में जौनपुर में आये थे जो जौनपुर जिले की मल्हनी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और मल्हनी के विधायक पारसनाथ यादव के निधन के बाद मल्हनी में नवंबर 2020 में उपचुनाव हुआ था जहां उनके बेटे लकी यादव सपा उम्मीदवार के रूप में विजयी हुए थे।

सात मार्च को सातवें और आखिरी चरण का मतदान होगा और चुनाव परिणाम 10 मार्च को घोषित किया जाएगा।

एमवे पे डब्ल्यूएचओ के दिशा-निर्देशों के अनुरूप न्यूट्रीलाइट लिटिल बिट्स का विकास किया

सिलीगुड़ी, 03 मार्च। न्यूट्रिशन एजुकेशन और इंटरवेंशन में अपने प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, एमवे ने एक इनोवेटिव माइक्रोन्यूट्रिएंट सप्लीमेंट- न्यूट्रीलाइट लिटिल बिट्स शुरू करने की घोषणा की है - जो एनीमिया जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को प्रबंधित करने में मदद करने के लिए दैनिक आवश्यक विटामिन और मिनिरल्स प्रदान करता है। इससे पहले एमवे ने 2018 में भारत में पावर ऑफ 5 अभियान शुरू किया था, जिससे पांच साल से कम उम्र के 25000 से अधिक बच्चों और 90000 से अधिक माताओं और देखभाल करने वालों को लाभ हुआ है।

एमवे ने डब्ल्यूएचओ के दिशानिर्देशों के अनुरूप न्यूट्रीलाइट लिटिल बिट्स विकसित किया है। यह माइक्रोन्यूट्रिएंट सप्लीमेंट 16 आवश्यक विटामिन और मिनिरल्स से भरा हुआ है, जिसे आरडीए 2010 के दिशानिर्देशों के अनुसार अनुकूलित किया गया है ताकि भारतीय बाजार में 3 से 6 वर्ष की आयु के कुपोषित बच्चों को लक्षित किया जा सके। जब यह दैनिक रूप से लिया जाता है, तो लिटिल बिट्स उचित वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करके बच्चे के स्वास्थ्य का समर्थन करने में मदद कर सकते हैं। परियोजना के तहत, मौजूदा परियोजना स्थानों में पार्टनर एनजीओ के माध्यम से कुपोषित बच्चों को न्यूट्रीलाइट लिटिल बिट्स मुफ्त में वितरित किया जाएगा। इस साल, एमवे इंडिया की योजना लगभग 10000 बच्चों को 6 महीने से 1 साल की न्यूनतम अवधि के लिए न्यूट्रीलाइट लिटिल बिट्स वितरित करने की है।

एमवे इंडिया के सीईओ, अंशु बुधराजा ने कहा, ड्गहम अधिक से अधिक बच्चों की सहायता करने और उनकी मदद करने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। 40000 बच्चों को लाभान्वित करने के लिए कार्यक्रम की अपनी पहुंच बढ़ाने के अलावा, हमारा लक्ष्य पेशेवर पर्यवेक्षण के तहत 10000 बच्चों के बीच लिटिल बिट्स वितरित करना है।'

मोबाइल और कार की सप्लाई पर आएगा संकट, यूक्रेन हमले ने बढ़ाई चिप की कमी

मुंबई, 04 मार्च (एजेन्सी)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के चलते चिप का संकट और गहरा सकता है। बीते करीब डेढ़ सालों से दुनिया चिप की कमी से जूझ रही है। अब यह संकट और गहराने से हालात भयावह हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में पैलेडियम की सप्लाई में 44 फीसदी की हिस्सेदारी रूस की है। इसके अलावा नियोन की सप्लाई में 70 फीसदी के करीब हिस्सेदारी यूक्रेन की है। किसी भी चिप को तैयार करने के लिए ये दोनों ही जरूरी रॉ मैटीरियल हैं और यूक्रेन एवं रूस के बीच छिड़ी जंग ने इनकी सप्लाई को बाधित करना शुरू कर दिया है। इससे साफ है कि आने वाले दिनों में चिप यानी सेमीकंडक्टर्स में कमी का असर पूरी दुनिया पर दिख सकता है।

मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मार्केट के जानकारों का मानना है कि यह वैश्विक संकट जो कोरोना महामारी के बाद शुरू हुआ था, वह और बढ़ने जा रहा है। पैलाडियम और नियोन दो ऐसे रिसोर्स हैं, जिनका किसी भी चिप यानी सेमीकंडक्टर के निर्माण में इस्तेमाल होता है। ये सेमीकंडक्टर किसी भी इलेक्ट्रॉनिक आइटम जैसे कार, मोबाइल फोन और अन्य उत्पादों में लगते हैं। इनके बिना इलेक्ट्रिक आइटम्स का चलना मुश्किल होता है। दरअसल ये बिजली के चालक और कुचालक के तौर पर काम करते हैं। ऐसे में सेमीकंडक्टर के बिना कार से लेकर मोबाइल तक बेकार हैं। यही वजह है कि इनकी सप्लाई चेन बाधित होने से पूरी दुनिया में संकट की स्थिति है। इसके चलते कार से लेकर मोबाइलों तक के उत्पादन पर असर पड़ा है।

संकट यहीं नहीं थमने वाला है बल्कि यूक्रेन पर आक्रमण के चलते भारत जैसे देश में भी महंगाई बढ़ने वाली है। दुनिया में कच्चे तेल की कीमत पर 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। ऐसे में अगले सप्ताह से भारत में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं। देश में 4 नवंबर के बाद से कीमतों में कोई इजाफा नहीं हुआ है, लेकिन एक बार फिर इनके दामों को अंतरराष्ट्रीय बाजार के हवाले किया जा सकता है। मूडीज की रिपोर्ट के मुताबिक रूस के अलावा अन्य देश भले ही सप्लाई में इजाफा कर दें, लेकिन कीमतें उसके बाद भी कम नहीं होने वालीं।

मूडीज के मुताबिक दुनिया में कच्चे तेल की आपूर्ति में रूस की 12 फीसदी हिस्सेदारी है। इसके अलावा नैचुरल गैस की सप्लाई में उसकी 17 फीसदी, कोयले में 5.2 फीसदी और तांबे की सप्लाई में 4.3 फीसदी की हिस्सेदारी है। यह संकट यहीं खत्म नहीं होता। एल्युमिनियम, जिंक, गोल्ड, सिल्वर और प्लेटिनम जैसी धातुओं की सप्लाई में भी रूस बड़ी हिस्सेदारी रखता है। गेहूं के निर्यात में भी रूस की 11 फीसदी की हिस्सेदारी है। साफ है कि यह संकट तेल, खाद्यान्न से लेकर धातुओं तक में बढ़ने वाला है। दूसरी तरफ यूक्रेन नियोन सप्लाई में 70 फीसदी की हिस्सेदारी रखता है, जो संकट बढ़ा सकता है। इससे पहले 2014 में भी जब दोनों देशों के बीच जंग छिड़ी थी तो ऐसा ही संकट देखने को मिला था।

पीएम मोदी के गढ़ में अखिलेश यादव ने दिखाई ताकत, रोडशो में गूंजा-काशी में कमाल होगा

वाराणसी, 04 मार्च (एजेन्सी)। यूपी विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण के प्रचार का अंतिम दिन शनिवार को है। इससे पहले बनारस में शक्ति प्रदर्शन का मौका था। पहले पीएम मोदी ने रोडशो किया और प्रियंका के साथ राहुल गांधी भी जनसभा में उतरे। उसके बाद देर शाम सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रोड-शो से अपनी ताकत का एहसास कराया।

प्रशासन की तरफ से रोडशो का रूट बदलने और चार की बजाय केवल दो घंटे का समय देने के कारण रोडशो करीब डेढ़ किलोमीटर तक ही सिमटा दिया गया था। इस दौरान सपाइयों का हुजूम उमड़ पड़ा। मोदी के रोडशो की तरह ही अखिलेश के रोडशो में भी तरह तरह के नारे लगते रहे।

सबसे ज्यादा आकर्षित काशी में कमाल होगा नारे ने किया। इसके अलावा काशी में लहर बड़ी करारी है, साइकिल सब पर भारी है। जनता ने भरी हुंकार, भाजपा सरकार के बस 'दिन है बचे 'चार', सिर्फ छह दिन शेष, दस मार्च को आ रहे हैं अखिलेश। आदि नारे लगते रहे।

अखिलेश तय समय के अनुसार रात आठ बजे कार से रथयात्रा पर पहुंचे और वहां से अपने बस की छत पर सवार हो गए। उनका रोड-शो रथयात्रा, लक्सा से होते हुए गोदौलिया की तरफ बढ़ा तो फूलों की बारिश के साथ कई छतों से आतिशबाजी भी होती रही। इस दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव को तीर-धनुष और त्रिशूल के साथ डमरू भी भेंट किया।

काशी में पीएम मोदी का फूलों और रंगों की फुहार से भव्य स्वागत

वाराणसी, 04 मार्च (एजेंसी)। यूपी विधानसभा चुनाव की सियासी जंग अब अंतिम दौर पर पहुंच गई है। प्रधानमंत्री ने आज मिर्जापुर की जनसभा के बाद अपने संसदीय क्षेत्र बनारस से रोड शो की शुरूआत की। इस दौरान काशीवासियों ने पीएम का दिल खोलकर स्वागत किया।

इस दौरान काशीवासियों ने पीएम का दिल खोलकर स्वागत किया। फूलों के साथ रंगों की फुहार उड़ाई।

पीएम का काफिला जहां से भी निकला वहां से फूल मालाओं के साथ लोग उनका इंतजार करते मिले। कई जगहों पर गुलाल की फुहारों से भी उत्साहित लोगों ने पीएम का स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी का रोड शो बनारस की गलियों में धीरे-धीरे आगे बढ़ता गया। पीएम मोदी अभिवादन स्वीकार करते रहे। भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दिखी।

इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता डमरू बजाकर मोदी का स्वागत कर रहे थे। मोदी हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार कर रहे थे।

मलदहिया से लहुराबीर, पिपलानी कटरा होते हुए शाम पांच बजे रोड शो कबीरचौरा पहुंच गया। वहीं पांच बजे के बाद जब रामकटोरा चौराहा पीएम का रोड शो पहुंचा तो रामकटोरा चौराहे पर खड़े बटुक पीएम के स्वागत में मंत्रोच्चार करते नजर आए। वहीं इसके आगे रोड शो सरोजा पैलेस पहुंचा तो सांस्कृतिक गीत से प्रधानमंत्री का स्वागत करते गीतकार केडी दूबे और गायक डॉ. अमलेश शुक्ल नजर आए।

वाराणसी में सातवें और अंतिम दौर में मतदान होना है। लिहाजा वाराणसी के आठ विधानसभा सीटों क्रमश: वाराणसी कैंट, वाराणसी दक्षिणी, वाराणसी उत्तरी, अजगरा, शिवपुर, रोहनिया, पिंड्रा और सेवापुरी में अंतिम दौर में पीएम के रोड शो से भाजपा के पक्ष में चुनावी माहौल बना। पार्टी की ओर से इन विधानसभा सीटों के पदाधिकारी भी रोड शो को भव्य बनाने में जुटे रहे।

पूर्वांचल की जनता बीजेपी को हटाने का मन बना चुकी : अखिलेश यादव

मऊ, 04 मार्च (एजेन्सी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पूर्वांचल की जनता मन बना चुकी है कि भाजपा को हटाना है।

अखिलेश यादव ने शुक्रवार को अपने घोर विरोधी माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि पूर्वांचल की जनता मन बना चुकी है कि भाजपा को हटाना है। मैं तो सभी साथियों को इसके लिए बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में और खासतौर पर जबसे पूर्वांचल में समाजवादी पार्टी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी साथ आई है योगी जी के छक्के छूट गए हैं। अब तो आपसे सहयोग मांगने आया हूं।

अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश के चुनाव में जब से समाजवादी पार्टी और छड़ी साथ आई है तभी से सभी विरोधियों के छक्के छूट गए हैं। उन्होंने कहा कि हम लोग गंगा मैया का पानी उठाकर सच बोलने की कसम लेते हैं, लेकिन भाजपा के सभी लोग गंगा मैया के पानी में जमकर स्नान करने और उसको छूने के बाद भी झूठ बोलते हैं। सपा मुखिया बोले भाजपा के लोग तो कसम खाने के बाद भी झूठ बोलते हैं। आजकल तो भाजपा का छोटा नेता छोटा झूठ और बड़ा नेता बड़ा झूठ बोल रहा है।

कहा कि छड़ी तथा साइकिल को चुनाव चिह्न को याद रखेंगे। यह चुनाव देश का सबसे बड़ा चुनाव है। संविधान व लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। भाजपा ने झूठ बोलने का काम किया है। उसका सफाया करना है।

गंगा मैया का पानी छूने के बाद झूठ बोल रहे हैं। भाजपा झूठ की पार्टी है। भाजपा का छोटा नेता छोटा झूठ और बड़ा नेता बड़ा झूठ बोल रहा है। क्या किसानों की आय दोगुनी हुई है। डीजल तथा पेट्रोल महंगा हो गया है।

पाकिम जिले जिलाधिकारी ने की पहली समन्वय बैठक

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मार्च । ताशी छोफेल ने पिछले सप्ताह पाकिम जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में अपनी जिम्मेदारी प्राप्त करने के बाद आज पहली समन्वय बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक एडीसी (विकास) के कार्यालय में हुई और इसमें एसपी (पाकिम) डॉ शिवा पी. येल्लासिरी, एडीसी (विकास), एडीसी (भू-राजस्व), मुख्य शिक्षा अधिकारी, एसडीएम-पाकिम, रंगपो और रोंगली, जिले के सभी पांच प्रखंडों के बीडीओ, एएसपी (पाकिम) और सभी विभागों के प्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक को सम्बोधित करते हुए ताशी छोफेल ने सभी को बधाई दी और कहा कि यह गतिविधियों के साथ-साथ जिला प्रशासन की जिम्मेदारियों को समझने के लिए एक प्रेरणा बैठक थी। उन्होंने कहा कि जिले के निर्माण का मतलब है कि आशाएं, लोगों की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं में वृद्धि होगी। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी जरूरतों को पूरा करने में सेवा वितरण को प्राथमिकता के रूप में रखने के लिए कहा।

ताशी छोफेल ने कहा कि एक सफल जिले के रूप में आगे बढ़ने के लिए समय का पाबंद होना जरूरी होता है। उन्होंने जिलाध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा कि दो माह के भीतर अपने-अपने विभागों की योजना प्रस्तुत करें। उन्होंने बैठक में भाग लेने के लिए सभी का धन्यवाद किया।

एसपी डॉ शिवा पी येल्लासिरि ने कहा कि पाकिम को जिला बनाने का सरकार का निर्णय पवित्र है और इसलिए लोगों में व्यवस्था को चलाने के लिए गंभीरता की भावना विकसित करनी चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि नए बदलाव चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं लेकिन उन्होंने सभी से मिलकर काम करने का आग्रह किया।

बैठक में सभी विभागों की ओर से प्रस्तुतियां दी गईं, जिसमें विभाग के प्रतिनिधियों ने अपनी योजनाओं, सेवाओं, स्थिति और अपने संबंधित कार्यों के बारे में बताया। उन्होंने एक जिले के रूप में कार्य करने के लिए तत्काल जरूरतों और आवश्यकताओं के संबंध में अपने सुझाव भी रखे। बैठक में स्वास्थ्य विभाग ने जिले में कोविड-19 के टीके लगाने वालों के आंकड़े और संख्या भी उपलब्ध कराई।

एडीसी (डेवलपमेंट) तेन्जिंग डेन्जोंग्पा ने विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के बारे में बैठक में बात की। उन्होंने जिले के निर्माण में शामिल सभी लोगों के प्रयासों पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट भी प्रस्तुत की और पाकिम के लोगों को बधाई देते हुए अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

एसकेएम कभी झूठी .....

शामिल हो रहे हैं क्योंकि उन्हें एसकेएम सरकार और मुख्यमंत्री पीएस गोले का काम पसंद आ रहा है। उन्होंने आज आरिथांग क्षेत्र से पार्टी में शामिल होने वाले सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए उनसे सिक्किम और सिक्किम के लोगों के लाभ के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने नए सदस्यों से पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और कार्यक्रमों को तहे दिल से स्वीकार कर जनसेवा में शामिल होने की भी अपील की। मंत्री ने पार्टी के सभी नए और पुराने कार्यकर्ताओं को एसकेएम पार्टी, नेता पीएस गोले और चुनाव चिन्ह टेबल लैंप को हमेशा ध्यान में रखने की सलाह दी।

ओबीसी आरक्षण के लिए सोमवार को विधेयक पेश करेगी उद्धव सरकार

मुंबई, 04 मार्च (एजेन्सी)। महाराष्ट्र सरकार आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को एक विधेयक पेश कर सकती है। स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण को लेकर विपक्षी दलों के लगातार विरोध के बीच उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने शुक्रवार को परिसद में घोषणा की कि राज्य मंत्रिमंडल स्थानीय निकायों में ओबीसी कोटा सुनिश्चित करने वाले नए कानून को मंजूरी देगा और यह बिल सोमवार को राज्य के दोनों सदनों में पेश किया जाएगा।

पवार ने कहा, 'हमारी सरकार की सोच है कि स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण दिया जाना चाहिए और हम सभी दलों को इसके लिए एक साथ आना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा कि आज की कैबिनेट बैठक में वे इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे और फिर सोमवार को दोनों सदनों में इस बिल को पेश करेंगे।

उन्होंने कहा कि हमने ओबीसी आरक्षण के संबंध में मध्य प्रदेश की ओर से पारित विधेयक का विवरण मांगा ता और यहां तक कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी मुख्य सचिव को इस विधेयक को देखने का निर्देश दिया है। आज कैबिनेट की बैठक है और हमारा मानना है कि इस मीटिंग हम इस पर चर्चा करेंगे और बाद में इस बिल को सोमवार को दोनों सदनों में पेश करेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कल के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भी गौर कर रही है और इस बिल के लिए और क्या चाहिए।

ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर चर्चा के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे शुक्रवार शाम 6 बजे राज्य कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। हाल ही में बीजेपी ने इस मुद्दे को महाराष्ट्र विधानसभा में उठाया था। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी के लिए कोटा पर महाराष्ट्र पैनल की अंतरिम रिपोर्ट को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है।

लालू को जमानत के लिए अभी करना होगा इंतजार, हाईकोर्ट ने याचिका में बताई खामियां

रांची, 04 मार्च (एजेन्सी)। अरबों रुपये के बहुचर्चित चारा घोटाला में डोरंडा कोषागार से 139.35करोड़ रुपये अवैध निकासी मामले में सजायाफ्ता आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की जमानत याचिका पर शुक्रवार को हाईकोर्ट में हुई। हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की अदालत में लालू प्रसाद की अपील और जमानत याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थी। अदालत ने सुनवाई के दौरान याचिका में त्रुटि हटाने का निर्देश दिया। मामले की सुनवाई अब अगले सप्ताह 11 मार्च को होने की संभावना है।

डोरंडा कोषागार मामले में लालू प्रसाद को सीबीआई की विशेष अदालत ने 5 साल की सजा सुनायी है और 60 लाख रुपये जुर्माना लगाया है। इसके खिलाफ लालू प्रसाद ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की है। लालू प्रसाद के अधिवक्ता ने उनकी उम्र, 17 तरह की बीमारियां और चारा घोटाले के अन्य मामले में आधी से अधिक सजा पूरी कर लेने का हवाला देते हुए जमानत याचिका दायर की है। फिलहाल लालू प्रसाद को स्वास्थ्य कारणों से रिम्स के पेइंग वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां सात सीनियर डॉक्टरों की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाये हुए हैं।

गौरतलब है कि चारा घोटाले से जुड़े मामले में प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार को ही सुनवाई होती है, ऐसे में यदि उन्हें 11 मार्च को होने वाली सुनवाई में राहत नहीं मिली हैं, तो इस बार भी होली का पर्व लालू प्रसाद को जेल में ही मनाना होगा।

भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

राष्ट्रीय जैव-विविधता प्राधिकरण में अध्यक्ष के पद को भरने हेतु विज्ञापन

विज्ञापन सं. जे-22018/12/2003-सीएससी (बीसी) खंड-III

राष्ट्रीय जैव-विविधता प्राधिकरण, जो पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक निगमित निकाय है और जिसका मुख्यालय चेन्नई (तमिलनाडु) में है, में केन्द्रीय सरकार के नियमों के अंतर्गत यथा-स्वीकार्य भत्तों सहित वेतन लेवल-17 अर्थात् 2,25,000/- रुपये प्रति माह (7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसर) में **अध्यक्ष** पद को भरने हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

इस पद को या तो प्रतिनियुक्ति आधार पर अथवा केंद्र सरकार के बाहर से चयन द्वारा भरे जाने का प्रस्ताव है। प्रतिनियुक्ति के माध्यम से नियुक्ति होने के मामले में, आवेदन भर्ती नियमों के अनुसार भारत सरकार में अपर सचिव के रैंक से नीचे के पद पर नहीं होना चाहिए।

अध्यक्ष का कार्यकाल, तीन वर्षों की अवधि के लिए अथवा उनके 65 वर्ष की आयु प्राप्त होने तक, इनमें से जो पहले हो, होगा।

इस विज्ञापन का विवरण मंत्रालय की वेबसाइट http://moef.nic.in पर और दिनांक 05.03.2022 के रोजगार समाचार में उपलब्ध हैं।

आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तारीख : विज्ञापन की तारीख से 60 दिन।

davp 13101/11/0024/2122

SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 04:00 PM
LABHLAXMI SAPPHIRE FRIDAY
Draw No:7 DrawDate on:04/03/22
1st Prize ₹10,000/- 6328
2nd Prize ₹5,000/- 1436
3rd Prize ₹500/- 5027
4th Prize ₹300/- 0972
5th Prize ₹200/- 6845
6th Prize ₹100/-
0000 0031 0068 0075 0076 0121 0139 0165 0189 0192
0204 0227 0235 0250 0257 0308 0309 0312 0334 0352
0360 0364 0400 0433 0454 0459 0505 0513 0514 0515
0623 0689 0725 0775 0801 0880 0890 0896 0911 0971
0994 1018 1071 1092 1120 1131 1170 1206 1233 1242
1278 1312 1314 1371 1434 1446 1474 1486 1557 1627
1628 1634 1699 1771 1817 1912 1965 1972 2004 2008
2026 2078 2144 2184 2196 2213 2220 2242 2252 2280
2285 2322 2340 2396 2443 2445 2458 2464 2564 2575
2597 2600 2626 2635 2640 2641 2701 2724 2747 2799
2803 2806 2868 2881 2968 2979 2980 3002 3017 3035
3049 3072 3116 3176 3216 3229 3249 3250 3260 3321
3366 3400 3412 3416 3467 3504 3521 3534 3589 3593
3679 3696 3721 3734 3739 3748 3764 3835 3849 3853
3868 3891 3897 3908 3917 3919 3925 3929 3933 3939
4013 4018 4031 4090 4098 4106 4112 4158 4258 4291
4321 4334 4335 4336 4379 4393 4415 4422 4432 4442
4519 4521 4526 4577 4627 4636 4676 4688 4711 4721
4748 4758 4759 4847 4861 4902 4908 5000 5009 5043
5052 5058 5080 5088 5097 5130 5144 5145 5164 5230
5249 5316 5384 5394 5403 5426 5428 5462 5479 5607
5627 5629 5637 5650 5690 5700 5708 5798 5810 5821
5822 5847 5866 5875 5891 5948 5985 6000 6004 6012
6093 6161 6170 6176 6198 6203 6204 6231 6232 6245
6289 6322 6335 6434 6443 6472 6504 6551 6565 6569
6612 6658 6673 6693 6738 6806 6846 6912 6919 6924
6973 7056 7102 7109 7141 7149 7189 7190 7243 7258
7268 7305 7310 7375 7392 7443 7475 7491 7516 7546
7562 7564 7637 7646 7649 7677 7742 7787 7860 7865
7879 7909 7915 7930 7958 7962 7978 7990 8010 8027
8040 8062 8075 8123 8133 8155 8165 8167 8176 8189
8211 8212 8230 8237 8294 8309 8328 8334 8340 8341
8390 8417 8440 8441 8455 8467 8488 8519 8536 8556
8621 8641 8659 8664 8771 8785 8798 8853 8861 8862
8899 8903 8914 8936 8946 8949 8955 8966 8991 9005
9028 9041 9064 9070 9162 9163 9165 9192 9199 9244
9249 9280 9332 9338 9342 9377 9394 9426 9459 9477
9487 9516 9536 9547 9576 9583 9588 9602 9626 9656
9741 9744 9790 9826 9830 9831 9866 9921 9929 9961
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES,
GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR 50 FORTNIGHTLY
Draw No:4 DrawDate on:04/03/22
1st Prize ₹12 Lakhs/- A 23759
2nd Prize ₹9000/-
0112 2431 2952 3053 3157 3268 4603 8727 8830 9673
3rd Prize ₹5000/-
0279 0389 2684 3598 3605 4578 4704 4806 5484 9381
4th Prize ₹1000/-
1643 2292 2345 4564 6435 6605 6781 6863 8000 8503
5th Prize ₹500/-
2299 2837 2948 5671 6931 7079 7215 8692 9307 9549
6th Prize ₹100/-
0183 0189 0220 0428 0529 0618 0777 0890 1167 1311
1336 1486 1510 1632 1646 1657 1681 1766 2123 2181
2379 2472 2876 2947 2999 3100 3167 3189 3238 3251
3310 3367 3472 3806 3831 4104 4166 4172 4278 4380
4439 4657 4674 4682 4847 4906 4948 5332 5422 5644
5741 5936 6000 6069 6080 6121 6190 6300 6487 6509
6539 6595 6676 6725 6800 6844 6892 6968 7150 7165
7419 7637 7735 7851 8300 8455 8472 8534 8550 8616
8714 8715 8721 8774 8902 8910 8929 9003 9172 9195
9215 9253 9376 9465 9541 9575 9599 9688 9710 9948
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES,
GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

GOVERNMENT OF SIKKIM

HEALTH AND FAMILY WELFARE DEPARTMENT

GANGTOK.

TENDER NOTICE

The Health & F.W Deptt., Government of Sikkim invites online e-Tenders (Technical and Financial bids) from eligible bidders willing to "**PROVIDE, MAINTAIN AND OPERATE MOBILE VILLAGE CLINIC IN SIKKIM**"

The tender details can be viewed and downloaded from the **website https://www.sikkimtender.gov.in** for which, the bidders should have the necessary portal enrolment with his/her own Digital Signature Certificate (DSC).

Addl. Chief Engineer (Mech.)
Health & FW Deptt.
Govt. of Sikkim

R.O. No. 343/IPR/PUB/Classi/2122
DT.: 04.03.2022

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR VULTURE EVENING
Draw No:166 DrawDate on:04/03/22
1st Prize ₹1 Crore/- 45J 42535
Cons. Prize Rs.1000/- 42535 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
01135 06634 10555 12475 25282 25443 33003 34136 41876 79432
3rd Prize ₹450/-
1766 2197 3201 3569 3618 3849 4655 5072 5699 7929
4th Prize ₹250/-
1029 1730 2602 3433 3903 5248 6370 6778 7311 7344
5th Prize ₹120/-
0029 0073 0119 0198 0273 0336 0684 0832 0947 1210
1284 1390 1698 1780 1995 2137 2140 2218 2333 2464
2505 2837 2876 2885 2937 2982 3322 3423 3478 3786
3832 3891 3963 4028 4029 4178 4268 4307 4515 4546
4709 4853 4899 4949 5030 5108 5158 5178 5190 5389
5410 5440 5462 5482 5700 5725 5729 5835 5876 6054
6119 6147 6376 6458 6621 6754 7043 7067 7075 7192
7203 7377 7528 7566 7613 7623 7674 7831 7905 7956
7962 8023 8112 8193 8235 8406 8599 8751 9008 9096
9107 9141 9182 9192 9276 9385 9572 9690 9752 9778
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR HOOGHLY MORNING
Draw No:66 DrawDate on:04/03/22
1st Prize ₹1 Crore/- 97D 08271
Cons. Prize Rs.1000/- 08271 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02524 18506 21125 34184 38472 41048 53768 77538 86456 94799
3rd Prize ₹450/-
1149 1318 4165 4322 4836 5994 7095 7636 8195 9722
4th Prize ₹250/-
0705 2671 4423 6746 6926 7192 8057 8345 8346 9319
5th Prize ₹120/-
0008 0198 0280 0506 0563 0682 0739 0798 0832 1227
1333 1383 1604 1643 1727 1790 1974 2043 2177 2218
2408 2485 2676 2680 2708 2726 2820 2859 2915 2974
3221 3341 3386 3410 3420 3553 3559 3616 3828 3835
3878 3951 4048 4170 4191 4636 4662 4694 4914 4953
5049 5058 5105 5135 5174 5315 5328 5403 5708 5959
6067 6110 6238 6343 6374 6546 6571 6628 6669 6672
6729 6991 6995 7075 7257 7326 7404 7414 7527 7530
7541 7601 7610 8077 8151 8231 8306 8352 8422 8570
8774 8865 9205 9235 9370 9490 9559 9562 9744 9846
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR EARTH FRIDAY
Draw No:66 DrawDate on:04/03/22
1st Prize ₹1 Crore/- 88B 22481
Cons. Prize Rs.1000/- 22481 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
33516 34073 40780 43725 56012 74165 77547 82954 91013 93790
3rd Prize ₹450/-
0904 1694 1871 2338 3039 3440 6073 6247 9112 9228
4th Prize ₹250/-
1767 1769 2359 5803 7051 7188 7190 8932 9098 9624
5th Prize ₹120/-
0329 0364 0433 0595 0635 0687 0964 1066 1126 1288
1621 1628 1630 1684 1688 1791 1997 2145 2252 2311
2355 2408 2618 2707 3046 3125 3184 3290 3520 3603
3774 3834 3911 4026 4093 4322 4345 4460 4570 4703
4851 4933 5112 5214 5425 5611 5692 5977 6001 6070
6140 6204 6261 6349 6384 6473 6489 6525 6614 6634
6874 6907 6921 6933 7005 7260 7277 7305 7327 7373
7636 7640 7668 7699 7733 8042 8168 8212 8253 8289
8291 8401 8491 8577 8602 8766 8824 8938 8994 9003
9057 9104 9156 9378 9549 9559 9665 9768 9877 9938
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR 100 OSTRICH FRIDAY
Draw No:7 DrawDate on:04/03/22
1st Prize ₹20LAKHS/- 22761
2nd Prize ₹9000/-
0135 1897 3329 4972 5437 5783 6777 7139 7909 9324
3rd Prize ₹5000/-
0974 1977 2269 2353 2895 3846 5703 8883 8934 9716
4th Prize ₹2000/-
2845 3037 3269 3778 4053 5230 5643 7353 7372 8476
5th Prize ₹1000/-
0001 0232 1111 2090 4687 4759 5772 6110 8893 9228
6th Prize ₹500/-
0106 0186 0233 0271 0356 0369 0419 0460 0624 0952
1055 1073 1078 1263 1267 1268 1292 1306 1352 1436
1453 1455 1824 1957 2019 2024 2108 2202 2252 2341
2511 2532 2915 3211 3304 3442 3588 3645 3651 3725
3797 3888 3911 3940 4015 4036 4056 4196 4205 4255
4329 4494 4713 4868 4870 4898 4996 5114 5359 5482
5527 5540 5625 5636 5745 5793 5871 5963 5977 6019
6032 6051 6202 6311 6359 6532 6611 6620 6671 7052
7247 7397 7445 7504 7759 7967 8149 8166 8226 8302
8649 8790 9039 9444 9563 9685 9799 9803 9970 9986
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES,
GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 07:00 PM
LABHLAXMI ONYX FRIDAY
Draw No:7 DrawDate on:04/03/22
1st Prize ₹10,000/- 9599
2nd Prize ₹5,000/- 8684
3rd Prize ₹500/- 6140
4th Prize ₹300/- 1049
5th Prize ₹200/- 3977
6th Prize ₹100/-
0071 0088 0112 0130 0212 0217 0261 0273 0309 0313
0316 0367 0406 0408 0452 0473 0488 0506 0532 0550
0587 0605 0617 0632 0646 0671 0677 0682 0687 0690
0709 0710 0769 0772 0774 0799 0818 0844 0868 0931
0951 0984 1010 1054 1149 1219 1254 1299 1314 1381
1390 1395 1396 1440 1463 1474 1478 1519 1568 1626
1640 1670 1688 1791 1812 1846 1866 1885 1906 1908
1911 1925 1928 1950 1999 2009 2012 2082 2092 2099
2108 2181 2186 2231 2273 2316 2357 2363 2374 2432
2454 2458 2497 2517 2554 2556 2572 2616 2665 2700
2710 2718 2722 2753 2761 2855 2866 2867 2874 2881
2900 2927 2972 2985 2991 3001 3023 3036 3042 3083
3097 3135 3171 3199 3232 3236 3281 3285 3286 3290
3344 3426 3450 3459 3466 3478 3479 3485 3501 3531
3551 3563 3608 3636 3647 3653 3697 3715 3742 3795
3812 3813 3846 3883 3892 3910 3915 3928 3932 3967
3983 4012 4016 4129 4152 4168 4174 4188 4207 4213
4219 4295 4317 4321 4329 4341 4345 4348 4374 4396
4397 4426 4430 4483 4535 4620 4628 4658 4659 4676
4684 4729 4748 4754 4835 4864 4903 4914 4917 4925
5014 5094 5098 5152 5180 5197 5257 5278 5279 5280
5289 5297 5309 5336 5338 5369 5464 5486 5522 5570
5612 5648 5693 5747 5755 5783 5791 5813 5823 5850
5863 5931 5991 6007 6053 6077 6078 6159 6171 6188
6212 6257 6262 6277 6302 6328 6370 6396 6399 6413
6426 6433 6439 6443 6449 6463 6481 6557 6596 6628
6677 6685 6759 6783 6792 6804 6832 6869 6875 6883
6939 6944 7006 7050 7054 7092 7108 7151 7155 7166
7259 7262 7271 7279 7294 7301 7309 7325 7339 7366
7367 7429 7437 7452 7459 7465 7467 7495 7510 7533
7587 7615 7624 7646 7654 7694 7712 7739 7742 7769
7789 7798 7843 7876 7901 7908 7915 7930 7932 7940
7944 7956 7994 8021 8032 8097 8155 8161 8167 8172
8176 8180 8192 8193 8195 8197 8272 8330 8345 8373
8392 8404 8454 8461 8474 8481 8486 8494 8503 8514
8527 8564 8578 8626 8649 8714 8758 8796 8876 8969
8970 8995 9002 9007 9033 9061 9090 9118 9139 9278
9311 9353 9451 9455 9465 9470 9480 9491 9596 9645
9682 9720 9727 9803 9819 9828 9861 9927 9986 9992
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES,
GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

पिछलग्गू नहीं बनना

यूक्रेन में हालात जैसे-जैसे बिगड़ते जा रहे हैं, दुनिया भर में इस युद्ध के दुष्प्रभावों को लेकर बहस भी तेज होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से रूसी हमले के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित कराने का प्रयास नाकाम हो जाने के बाद बुधवार को वैसा ही प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा की आपात बैठक में पेश किया गया। यह प्रस्ताव भारी बहुमत से पारित हो गया, लेकिन सुरक्षा परिषद की ही तरह यहां भी भारत ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। इसी संदर्भ में हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया ने गुरुवार के अंक में प्रकाशित संपादकीय में कहा कि भारत को अपने रुख पर दोबारा विचार करना चाहिए। उसके मुताबिक मतदान से गैरहाजिर रहकर तटस्थता दिखाने के बजाय भारत को इस मामले में खुलकर रूस के खिलाफ स्टैंड लेना चाहिए। संपादकीय कहता है कि आक्रमणकारी भूमिका में आकर परमाणु युद्ध की धमकी दे रहे रूस के खिलाफ सभी देश एकजुट हो रहे हैं। पारंपरिक तौर पर गुटनिरपेक्ष माने जाने वाले स्विट्जरलैंड और फिनलैंड जैसे देशों ने भी अपना पक्ष स्पष्ट कर दिया है। ऐसे में भारत कब तक अपने पुराने रुख पर बना रह सकता है? संपादकीय में याद दिलाया गया है कि विदेश नीति की सबसे अहम कसौटी हमेशा राष्ट्रीय हित को ही माना जाता है।

मगर सवाल यह है कि क्या मौजूदा हालात में भारत के राष्ट्रीय हित उसे अपना रवैया पूरी तरह बदल कर अमेरिका के पाले में खड़े होने की इजाजत देते हैं? इस संदर्भ में पहली बात यह है जो इन दिनों बार-बार दोहराई भी जाती रही है कि भारत के लिए हथियारों का सबसे बड़ा सप्लायर देश रूस ही है। इसमें रातों-रात कोई बदलाव नहीं लाया जा सकता। ऐसा करने पर अरबों डॉलर के हथियार किसी काम के नहीं रह जाएंगे और नई सख़्लाई हासिल करने में वक्त लगेगा। इससे देश की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। दूसरी बात यह है कि भारत ने यूक्रेन मामले में तटस्थ रुख अपनाया है। युद्ध जल्द खत्म करने की अपील की है। वह शांतिपूर्ण तरीके से इस मसले का समाधान निकालने का हिमायती है। आज भी भारत गुटनिरपेक्षता की परंपरागत विदेश नीति पर चल रहा है, जो मूल्यों पर आधारित रही है। यह आजादी के बाद से भारतीय विदेश नीति की बुनियाद रहा है। इसी नीति की वजह से दुनिया में भारत ने स्वतंत्रता मिलने के तुरंत बाद ही अपनी पहचान बना ली थी।

गुटनिरपेक्षता के कारण ही शीत युद्ध के दौरान भारत ना ही सोवियत संघ और ना ही अमेरिका के कैंप में गया। भारत आज भी उन्हीं सिद्धांतों पर चलते हुए, अपने राष्ट्रीय हितों को देखते हुए क्वाड जैसे मंचों पर अमेरिका के साथ है तो दूसरी तरफ चीन के दबदबे वाले शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन और आसियान के साथ भी जुड़ा हुआ है। रूस भी शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन का अहम सदस्य है। इसलिए यूक्रेन मामले में भी भारत को यह नीति नहीं छोड़नी चाहिए।

दुनिया की नजर भारत पर

आचार्य पवन त्रिपाठी

इस साल जब से रूस और यूक्रेन के बीच गतिरोध बढ़ा है, खासकर जबसे रूस ने सैन्य कार्रवाई शुरू की है, तब से पूरी दुनिया की नजर भारत पर है।

कई विश्व नेता भारत से यह उम्मीद कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रूस-यूक्रेन के मौजूदा टकराव को समाप्त करने के लिए कोई सर्वमान्य फॉर्मूला पेश करेंगे। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले सात साल के दौरान भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा की ओर इंगित करता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इससे पहले भारत की ओर इतनी उम्मीद से नहीं देखा गया था, उस समय भी जब इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री हुआ करती थीं और पूरी दुनिया अमेरिकी नेतृत्व वाले नाटो संधि और सोवियत रूस के नेतृत्व वाले वारसा संधि में बंटी हुई थी और शीतयुद्ध अपने शबाब पर था, लेकिन आज पूरी दुनिया की लीडरशिप भारत की ओर से किसी ठोस पहल की उम्मीद कर रही है।

इसके बावजूद बुधवार को भारत लगातार तीसरी बार यूक्रेन संकट को लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ की सर्वोच्च संस्था की बैठक में हुए मतदान में अनुपस्थित रहा। यूक्रेन के खिलाफ हमले के प्रस्ताव पर भारत के रु ख पर सबकी नजर थी, लेकिन चीन और पाकिस्तान समेत कई देशों ने न तो इसके पक्ष में वोट किया और न ही इसका विरोध किया। रूस-यूक्रेन के बढ़ते संकट के बीच एक सप्ताह से भी कम समय में यह तीसरा ऐसा प्रस्ताव है। यूक्रेन के खिलाफ रूसी हमले की निंदा करने वाले यूएनजीए के इस प्रस्ताव के पक्ष में 141 सदस्यों ने वोटिंग की। वहीं, 5 ने इसके विरोध में वोट किया। भारत सहित 35 देशों ने इस प्रस्ताव से दूरी बनाई।

भारत की तटस्थ नीति को कूटनीतिक गलियारे में रूस का अप्रत्यक्ष समर्थन बताया जा रहा है। हालांकि राजनीतिक हलकों में कहा जा रहा है कि भारत का तटस्थ रहना अमेरिका को यह संदेश देना है कि भारत डेमोक्रेट के परंपरागत रूस-विरोधी मानसिकता का आंख मूंद कर समर्थन नहीं कर सकता। भारत ने यह भी साफ कर दिया है कि वह दौर निकल गया जब भारत की छवि किसी के पिछलग्गू देश की हुआ करती थी। यह नया भारत है और कोई भी कदम अपने नागरिकों के व्यापक हित में उठाता है। उसी विदेश नीति के तहत भारतीय प्रतिनिधि तीसरी बार संयुक्त राष्ट्र की बैठक में सर्वमान्य हल की पैरवी करते हुए वोटिंग के दौरान अनुपस्थित रहा। वस्तुत: नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में भारत किसी भी तरह भावुकता में नहीं बल्कि देश के व्यापक हित में अपनी विदेश नीति के तहत फैसला ले रहा है। कुछ लोग सोशल मीडिया पर गलतबयानी करते भारत सरकार की छात्र विरोधी इमेज पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। इस बारे में एक युवती एक्सपोज भी हुई, जबकि हकीकत यह है कि जो लोग यूक्रेन से सुरक्षित स्वदेश लौट रहे हैं, उन्होंने कहा कि इस पूरे यूक्रेन संकट के दौरान वहां से सकुशल निकलने के बाद लग रहा है कि भारतीय पासपोर्ट की कितनी अहमियत है। जाहिरि है नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में विदेश में रहने वाले भारतीय समुदाय को भारतीय होने पर गर्व हो रहा है, क्योंकि दूसरे देशों के नागरिकों की हालत बहुत चिंताजनक है।

जैसा कि सर्वविदित है यूक्रेन में अभी भी भारतीय समुदाय के काफी लोग फंसे हुए हैं। उनको सकु शल निकालने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत संजीदा है। इसीलिए उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर बुधवार को रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन से टेलीफोन पर बातचीत की। उधर मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि मोदी के साथ बातचीत में पुतिन ने यूक्रेन की सेना पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि यूक्रेनी सेना ने वहां मौजूद भारतीय छात्रों को बंधक बना लिया है और वे उन्हें मानव शील्ड के तौर पर प्रयोग कर रहे हैं। इसके साथ यूक्रेन की सेना भारतीयों को रूसी क्षेत्र में जाने से रोक रही है। भारत जवाहरलाल नेहरू के समय से गुटिनरपेक्ष आंदोलन में सक्रिय रहा, यह परंपरा कांग्रेस के दूसरे प्रधानमंत्रियों ने जारी रखी, लेकिन नरेन्द्र मोदी की विदेश नीति अलहदा है। उन्होंने अपने पहले और दूसरे कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक सशक्त राजनेता के रूप में अपनी पहचान बनाते हुए इस बात पर जोर दिया कि दुनिया भर में भारत की प्रतिष्ठा कैसे बढ़ेगी और भारत विश्व राजनीति में किस तरह से हस्तक्षेप करेगा। पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखते हुए, मोदी ने अमेरिका जैसी महाशक्ति के साथ-साथ यूरोपीय देशों के साथ भी घनिष्ठ संबंध बनाए रखा। उसी के चलते आज दुनिया की नजर भारत पर है।

कई मुद्दों पर कठोर रु ख अख्तियार करना और सही निर्णय लेना मोदी की कार्यशैली की विशेषता रही है। कोई क्या सोचता है, इस पर ध्यान न देते हुए किसी नीति या निर्णय से देश को किस तरह ज्यादा फायदा होगा, मोदी इस दिशा में सोचते रहे हैं और मोदी की यह कुशलता कई बार नजर आई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर ही युद्ध अंतर्गत क्षेत्रों से भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाने के लिए ऑपरेशन गंगा शुरू किया गया है। ऑपरेशन गंगा भारत सरकार द्वारा मानवीय सहायता प्रदान करने और यूक्रेन पर 2022 के रूसी आक्रमण के बीच भारतीय नागरिकों को यूक्रेन से निकालने के लिए जारी एक ऑपरेशन है। इसमें उन लोगों की सहायता शामिल है, जो रोमानिया, हंगरी, पोलैंड, मोल्दोवा, स्लोवाकिया के पड़ोसी देशों में चले गए हैं। नरेन्द्र मोदी के निर्देशानुसार भारत के चार केंद्रीय मंत्री ऑपरेशन गंगा में जुटे हुए हैं। इस ऑपरेशन को केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी, नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, कानून एवं न्याय मंत्री किरण रिजिजू और पूर्व सेना प्रमुख सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह देख रहे हैं। भारत पहुंचने पर हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री पहुंचकर छात्रों का कुशल-क्षेम पूछना तथा उनके आगे जाने की व्यवस्था भी कर रहे हैं। फिलहाल भारत मौजूदा विवाद में यूक्रेन और रूस दोनों के दृष्टिकोण से वाकिफ है। वह दुनिया के सभी देशों से दोस्ताना संबंध बनाए रखने का पक्षधर रहा है। अपनी इसी नीति के तहत भारत नपी-तुली प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहा है। नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में भारत ने अपनी विदेश नीति के तहत साफ कर दिया है कि रूस-यूक्रेन विवाद में वह परोक्ष रूप से किसी तरफ नहीं है।

महिलाओं की कम क्यों है हिस्सेदारी

ऋतु सारस्वत

पांच राज्यों की चुनावी गहमागहमी के बीच एक प्रश्न अपना उत्तर ढूंढ रहा है कि महिलाओं के हिस्से राजनीतिक नेतृत्व क्यों नहीं? राजनीति में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व न मिलने से महिला सशक्तीकरण की संभावनाएं हाशिये पर चली जाती हैं और यह स्थिति विश्व भर की है। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट, 2021 के मुताबिक विश्व भर में 35,500 संसदीय सीटों (156 देशों) में महिलाओं की उपस्थिति मात्र 26.1 प्रतिशत है।

यह रिपोर्ट बताती है कि 156 देशों में से 81 देशों में उच्च राजनीतिक पदों पर महिलाएं नहीं रही हैं।

स्वीडन, स्पेन, नीदरलैंड और अमेरिका जैसे लिंग समानता के मामले में अपेक्षाकृत प्रगतिशील माने जाने वाले देश इनमें शामिल हैं। 2018 के आर्थिक सर्वे के मुताबिक, अपने देश के सभी राज्यों की विधानसभाओं में सिर्फ नौ फीसदी महिला विधायक थीं।

विश्व की तमाम संस्थाएं स्वीकार करती हैं कि महिलाओं की पूर्ण और प्रभावी राजनीतिक भागीदारी मानवाधिकार, समावेशी विकास और सतत विकास का मामला है।

निर्णय लेने और राजनीतिक भागीदारी के सभी स्तरों पर पुरुषों के साथ समान शर्तों पर महिलाओं की सक्रिय भागीदारी समानता, शांति और लोकतंत्र की उपलब्धि है और निर्णय प्रक्रिया में उनके दृष्टिकोण और अनुभवों को शामिल करने के लिए आवश्यक है।

इसके बावजूद क्यों महिलाओं को राजनीति से दूर रखने के लिए पितृसत्तात्मक व्यवस्था अनवरत प्रयास करती आ रही है? यह स्थिति उन देशों में भी है, जो महिला सशक्तीकरण की उज्ज्वल छवि वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करते आए हैं। रेक्यिवेक इंडेक्स 20-21 के सत्ता में पदों के लिए उपयुक्तता-पुरुष और स्त्री के संबंध में दृष्टिकोण' अध्ययन में सम्मिलित जी-7 देशों के बीस हजार वयस्कों की, महिलाओं के राजनीति में नेतृत्व को लेकर जो विचार हैं, वे अचंभित करते हैं।

हैरान करने वाला तथ्य तो यह है कि जिस युवा पीढ़ी (18-34 वर्ष) को आधुनिक विचारों का पैरोकार समझा जाता है, वह पीढ़ी महिलाओं के राजनीति में प्रभावशील नेतृत्व को लेकर संकुचित विचारधारा रखती है, बनिस्बत अपनी पुरानी पीढ़ी के। हिलेरी क्लिंटन ने अपनी किताब व्हाट हैपेंड में लिखा यह पारंपरिक सोच नहीं है कि महिलाएं नेतृत्व करें या राजनीति के दांव-पेच में शामिल हों। यह न तो पहले सामान्य था और न ही आज।'

अक्तूबर, 2018 में प्रकाशित अध्ययन सेक्सिज्म हैरस्मेंट ऐंड वायलेंस अगेंस्ट विमेन इन पार्लियामेंट 45 यूरोपीय देशों की 123 संसदीय महिलाओं के साथ साक्षात्कार पर आधारित है। यह अध्ययन बताता है कि यूरोप की संसदों में महिलाओं के खिलाफ यौनवाद, दुर्व्यवहार और हिंसा के कृत्य पाए जाते हैं। अध्ययन में सम्मिलित 85.9 प्रतिशत महिला सांसदों ने कहा कि उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान मनोवैज्ञानिक हिंसा का सामना करना पड़ता है। यूरोप की महिला सांसदों पर हुआ अध्ययन यह बताने के लिए पर्याप्त है कि चाहे मातृसत्तात्मक समाज हो या विकसित समाज, महिलाओं की समानता के तमाम दावे उनको राजनीतिक भागीदारी देते समय बेहद ही संकुचित और संकीर्ण गलियारों में तब्दील हो जाते हैं।

यूक्रेन झुकेगा तभी खत्म होगा युद्ध

हर्ष कक्कड़

यूक्रेन पर रूसी हमले का दूसरा सप्ताह शुरू हो गया है और रूसी सेना लगातार यूक्रेन की राजधानी कीव सहित अन्य शहरों पर कब्जा जमाने की कोशिश में लगी हुई है। हालांकि रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने आधिकारिक तौर पर इसे युद्ध नहीं कहा है, बल्कि अपने आक्रमण को यूक्रेन का अ-सैन्यीकरण और अ-नाजीकरण बताया है।

उन्होंने यूक्रेन के नेतृत्व पर नव-नाजी और ड्रग एडिक्ट होने का आरोप लगाते हुए वहां की सेना से अपील की है कि अगर वे यूक्रेन में शांति चाहते हैं, तो अपने देश के मौजूदा शासन को उखाड़ फेंके। वास्तव में उनकी चिंता यूक्रेन के पश्चिम की ओर झुकाव को लेकर है। पश्चिम जानता है कि वह आधिकारिक रूप से युद्ध में शामिल नहीं है, लेकिन युद्ध नाटो की विस्तार नीतियों पर ही हो रहा है, जिसमें यूक्रेन बलि का बकरा है।

दूसरा हफ्ता चलने के बावजूद युद्ध के खत्म होने के आसार नजर नहीं आ रहे। रूसी सैनिकों की गति शुरू में तेज थी, लेकिन जैसे-जैसे वे प्रमुख शहरों में प्रवेश कर रहे हैं, उनकी गति थोड़ी धीमी हो गई है। वे सड़क पर लड़ाई करने से बच रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों के नागरिकों और सैनिकों को भारी नुकसान हो रहा है। इससे सुलह वार्ता में भी देरी हो सकती है। यूक्रेन उन शहरों में रूसी सैनिकों को रोक रहा है, जहां स्थानीय सैनिक लाभ की स्थिति में हैं।

हालांकि शहरों पर कब्जा करने और यूक्रेन को वार्ता के लिए बाध्य करने के लिए तोप और मिसाइल हमले बढ़ गए हैं, जिससे हताहत नागरिकों की संख्या में वृद्धि हो रही है। यह तब है, जब रूसी सेना कह रही है कि वह नागरिकों को निशाना नहीं बना रही। अपने देश को बचाने के लिए यूक्रेन के लोग अपनी सेना के साथ युद्ध लड़ रहे हैं। सवाल उठ रहा है कि युद्ध खत्म करने को लेकर पुतिन के मन में क्या है और क्या यूक्रेन एवं पश्चिमी देश रूस की शर्त मानने के लिए तैयार होंगे।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया है कि वह रूसियों के प्राथमिक निशाने पर हैं। रूस उनकी सरकार को उखाड़कर वहां पूर्व राष्ट्रपति विक्टर यानकोविच के नेतृत्व में रूस-समर्थक सरकार लाना चाह रहा है, जो फिलहाल रूस में निर्वासन में हैं। पुतिन ने हालांकि आधिकारिक तौर पर कहा है कि यूक्रेन पर कब्जा करने का उनका कोई इरादा नहीं है, बल्कि वह वहां शासन में बदलाव चाहते हैं, जो रूस के प्रति उत्तरदायी हो। पुतिन ने बार-बार नाटो के पूर्व की ओर विस्तार का विरोध किया था और उन्होंने उससे 1997 से पहले की स्थिति में लौटने की मांग की थी, क्योंकि इससे रूस के लिए खतरा बढ़ रहा था।

क्रीमिया पर कब्जे और वर्ष 2014 में दोनेत्स्क एवं लुहांस्क को स्वतंत्र देश घोषित करने के बाद यूक्रेन यूरोपीय संघ एवं नाटो में शामिल होने पर जोर दे रहा था। इस हमले का मुख्य उद्देश्य नाटो के विस्तार को रोकना और यूक्रेन को वापस रूसी नियंत्रण में लौटाना सुनिश्चित करना है। निस्संदेह यह संदेश जोरदार ढंग से दिया गया है। यूक्रेन के लिए पुतिन की शर्तें ये थीं कि वह किसी भी रूस विरोधी खेमे में शामिल न होकर तटस्थता की घोषणा करे और क्रीमिया और उसके अलग गणराज्यों के रूसी अधिग्रहण को भी मान्यता दे।

इसके अलावा वह अपने सैनिक न रखे और सुरक्षा के लिए रूस पर निर्भर रहे। इसका मतलब यह होगा कि यूक्रेन रूस के लिए सैन्य खतरा नहीं होगा और उसे व्यापक सुरक्षा संधि संगठन (सीएसटीओ) में शामिल किया जाएगा, जो पूर्व सोवियत संघ देशों के लिए बनाया गया था और रूस द्वारा नियंत्रित होता था। वर्ष 2013-14 की शीतकालीन क्रांति के बाद यूक्रेन की जनता ने खुद को रूसी प्रभुत्व वाले पूर्वी के बजाय पश्चिमी यूरोप का हिस्सा माना है। उनका मानना है कि यूरोप से जुड़कर उनका बेहतर विकास होगा। दूसरी तरह पश्चिमी यूरोप को रूस पर भरोसा नहीं है।

उसका मानना है कि रूस पश्चिम की तरफ अपना विस्तार करना चाह रहा है और मध्य यूरोप पर प्रभुत्व चाहता है। पश्चिम ने रूस को युद्ध विराम के लिए बाध्य करने की खातिर कई प्रतिबंध लगाए हैं, लेकिन ऐसा होने की संभावना नहीं है।

प्रतिबंधों के दबाव में या घरेलू विरोध के चलते सैन्य अभियान रोकने से पुतिन के नेतृत्व पर असर पड़ेगा और उनकी वैश्विक व राष्ट्रीय छवि खराब होगी। इसलिए यह युद्ध तब तक चलेगा, जब तक यूक्रेन रूस की मांग मान नहीं लेता। इसके लिए यूक्रेन को रूसी शर्तों को स्वीकार करने के लिए बाध्य करना होगा, जो वर्तमान में जारी है।

बेलारूस की सीमा पर रूस और यूक्रेन के बीच दो दौर की वार्ता बेनतीजा रही है। यूक्रेन ने प्रतिरोध जताते हुए क्रीमिया, दोनेत्सक, लुहांस्क सहित अपने सभी क्षेत्रों से रूसी सेना हटाने की मांग की है, जो रूस को अस्वीकार्य है। वार्ता समाधान की तरफ तभी बढ़ेगी, जब रूस यूक्रेन के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर देगा। पुतिन इसी तरह से इस युद्ध के खात्मे का मन बना रहे हैं।

अमेरिका के नेतृत्व में नाटो ने यूक्रेन में सैन्य दखल देने से इनकार कर दिया है, हालांकि वह यूक्रेनी सेना को हथियार दे रहा है। यूक्रेन रूस की शक्तिशाली सेना के खिलाफ अकेले लड़ रहा है। पुतिन के लिए यह सुनिश्चित करने का मामला है कि उनके मजबूत विचारों को बरकरार रखा जाए। इसके लिए यूक्रेन को झुकना होगा। यह कब होगा, यह देखने वाली बात है। रूस की सेना को अनिश्चित काल तक पीछे धकेलने की शक्ति यूक्रेन के पास नहीं है।

मानवता के लिहाज से युद्ध गलत है, लेकिन रूस के राष्ट्रीय सुरक्षा नजरिये से देखें, तो यह जायज है। चूंकि अमेरिका और नाटो रूसी चिंताओं को दूर करने के लिए तैयार नहीं हैं, इसलिए यूक्रेन पीड़ा भोगने के लिए बाध्य है। युद्ध में शामिल सभी पक्ष बेगुनाह लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार हैं। सभी एक-दूसरे पर आरोप लगाते हैं, लेकिन युद्ध का खामियाजा केवल निर्दोष नागरिक ही भुगतते हैं।

गंगोत्री में कैसे बचेंगे देवदार के पेड़

सुरेश भाई

पहाड़ों में दुर्गम स्थानों को पार करने के लिए निश्चित ही सुदृढ़ व सुगम सड़कों के निर्माण की आवश्यकता है, लेकिन वह पहाड़ों की ऐसी बर्बादी न करे, जैसी चार धाम में निर्माणाधीन ऑल वेदर सड़क के चौड़ीकरण से सामने आई हैं। इस सड़क के लिए अंधाधुंध पेड़ों का कटान, मिट्टी, पानी, पत्थर की बर्बादी और छोटी-छोटी बस्तियों को उजाड़ने में कोई देर नहीं लगी है। लेकिन इस पर सरकार का ध्यान उतना नहीं गया, जितना कि उच्च अदालतों ने संज्ञान लिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त, 2019 में चार धाम सड़क चौड़ीकरण कार्य से समाज और पर्यावरण पर पड़ रहे प्रभाव के अध्ययन के लिए एक उच्च अधिकार प्राप्त कमेटी डॉ. रवि चोपड़ा की अध्यक्षता में गठित की थी। इस रिपोर्ट के आधार पर अधिकतम चौड़ाई सात मीटर करने का आदेश दिया गया था। इस दौरान सड़क चौड़ीकरण बहुत तेजी से हो रहा था, जिसमें कहीं भी पूर्व प्रस्तावित 10-24 मीटर चौड़ी सड़क को सात मीटर तक नहीं किया गया।

यह सिलसिला थमा नहीं और नवंबर, 2020 में रक्षा मंत्रालय ने सेना की जरूरतों का हवाला देते हुए चौड़ी सड़क की मांग उठाई। दिसंबर, 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने फिर संशोधन कर दिया, जिसमें सड़क को 10 मीटर तक चौड़ा रखने का आदेश है। जबकि अदालतों में बहसों के चलते 12 हजार करोड़ रुपये की लागत की इस परियोजना का काम 70 प्रतिशत तक पूरा भी हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कह दिया है, 'क्या पर्यावरण संरक्षण सेना की जरूरतों से ऊपर होगा या हमें यह कहना चाहिए कि रक्षा चिंताओं का ध्यान पर्यावरणीय क्षति न हो।' इस उलझन के कारण उच्च अधिकार प्राप्त कमेटी के अध्यक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल को पत्र भेज कर इस्तीफा दे दिया। डॉ. रवि चोपड़ा का कहना है कि कमेटी का अधिकार क्षेत्र केवल नॉन-डिफेंस स्ट्रेचेज तक सीमित रखने से उनका पद पर बने रहना उचित नहीं है।

हिमालय की नाजुक परिस्थितियों की चर्चा न तो संसद में हो रही है और न उच्च अदालत में ही। पर्यावरण की पूरी अनदेखी के साथ सुरक्षा का हवाला देकर जंगल, पानी और मिट्टी की अधिकतम बर्बादी की कीमत पर विकास की रेखा खींची जा रही है। केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी पहाड़ों में हरित निर्माण तकनीक के अनुसार सड़कों के चौड़ीकरण की बात कर रहे हैं, उनके दावों के विपरीत ऑल वेदर रोड में सभी निर्माण कार्य किए जा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद शेष बचे उत्तरकाशी से गंगोत्री के बीच लगभग 100 किमी में सड़क चौड़ीकरण होना है। यहां पर लाखों देवदार के छोटे-बड़े पेड़ों को काटने की तैयारी चल रही है। इस संबंध में नितिन गड़करी ने कहा है कि पेड़ों को दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाएगा। यह तो भविष्य ही बताएगा। वर्ष 1962-65 में गंगोत्री मोटर मार्ग का निर्माण हुआ था। तब यहां स्थित सुखी, जसपुर, झाला आदि कई गांवों ने अपनी जमीन नि:शुल्क सरकार को दी थी।

आज इसे नजरंदाज करके सड़क दूसरी दिशा में मोड़ी जा रही है। वह भी ऐसे स्थान से जहां देवदार समेत कई बहुमूल्य प्रजाति के घने जंगल हैं, और जंगली जानवरों के सघन आवास मौजूद हैं। यहां कटान के लिए हजारों देवदार के पेड़ों पर निशान लगा दिए गए हैं। विरोध में 18 जुलाई, 2018 को सुखी टॉप (आठ हजार फीट) में एकत्रित होकर गांव वालों ने हरे देवदार के पेड़ों को बचाने हेतु रक्षासूत्र बांधे हैं।

पेड़ों की रक्षा का संकल्प लेते हुए स्थानीय लोगों ने सुखी गांव से ही मौजूदा सड़क को यथावत रखने की अपील की है। इससे आगे जसपुर गांव से बगोरी, हर्षिल, मुखवा से जांगला तक ऑल वेदर रोड की मांग की है। यहां पर बहुत ही कम पेड़ हैं और अधिकांश जगह पर मोटर सड़क बन भी गई है। यदि सड़क और राजमार्ग मंत्रालय इसकी स्वीकृति दे दे, तो सुखी बैंड से हर्षिल होते हुए जांगला तक हजारों देवदार के पेड़ों को बचाया जा सकता है। इसके अलावा गंगोत्री जाने वाले यात्रियों को भागीरथी के दोनों ओर से जाने-आने की सुविधा मिलेगी।

परिवर्तित खेती
की आधुनिक युग में प्रासंगिकता

प्राचीन समय से अवधारणा है कि कृषि उत्पादन की तकनीक ऐसी होना चाहिए कि वह जीवन के पांच तत्व- भूमि, पानी, वायु, अग्नि एवं अंतरिक्ष (स्पेस) के प्रति सकारात्मक रहे। इस सर्वकालिक अवधारणा क अनुरुप, वर्ष 1980 के दशक से, परिवर्तित/ जैविक खेती पर इस आधुनिकतम युग में सूक्ष्म अनुसंधान कार्य की निरंतरता बनाए रखी है इस अनुसंधान के महत्वपूर्ण बिन्दु जो उभर कर आये हैं वह इस प्रकार है।

भूमि जीवित है
मिट्टी में प्रचुर मात्रा में जैव कार्बन (0.5 प्रतिशत व अधिक) रहता है ऐसी भूमि में इन जीवों का वजन एक टन प्रति हेक्टेयर का अनुमान है। आबोहवा का कार्बन (सीओटू) ह्यूमस खेत के कचरे-बायोमास के विघटन से बनता है।

परिणामत
स्थानीय कचरा-बायोमास, खनिज, पशुओं का गोबर इत्यादि को जीवाणु कल्चर के संग आर्गेनिक मेन्यूअर-खाद के रुप में संवर्धित करें। संवर्धित मेन्यूअर उपलब्ध पोषक तत्वों की उपयोग क्षमता को बढ़ाता है। उत्पादन-उत्पादकता, भूमि की जीवंत प्रणाली के इर्द-गिर्द घूमती है।

भूमि का संरक्षण
प्रकृति के अनमोल उपहार भूमि-मिट्टी, जीव एवं जीवाश्म व पानी-जल को खेत व खेत के आसपास संरक्षित और सजीवता की अहम भूमिका है। भूमि पर विषैले रसायन जैसे कीट, फफूंद व खरपतवार-चारा नाशक के उपयोग से परहेज करे। इन रसायनों के अधिक उपयोग से भूमि की सजीव प्रणाली शनैः - शनैः नष्ट हो जाती है। प्राण विहीन विषैली मिट्टी के रुखापन, सख्त-कठोरता से उत्पादन शक्ति कम होती है।

भूमि के जहर को निष्क्रिय करें
पौधे की बुनियाद-प्राण जड़ों में है। फिक्र जड़ों की करें, वह अपनी दृष्टि से दूर जमीन में रहती है। रुट झोन रायजोस्फीयर याने जड़ों के आस-पास में प्राण वायु का संचार, जल-नमी की उपलब्धता, भूमि का उचित तापमान, भूमि में जड़ो के विकास के लिए मुनासिब रहे यह बुनियादी आवश्यकता है। इस हेतु भूमि की गुडाई के साथ प्रोटीन हाइड्रोलायसेस का छिड़काव व भूमि पर पल्वार, तापमान को समायोजित रखते है। प्रोटीन हायड्रोलायसेट (गोबर, दाल या खली, गुड़, गोमूत्र, खमीर का किण्वन-फरमेन्टेशन प्रॉडक्ट) को भूमि की विषाक्ता-जहर को निष्क्रिय करने- जहर को उतारने हेतु भूमि व पौधों पर छिड़काव, अंकुरण के बाद में व 30-40 दिन की अवस्था में करें। यह छिड़काव पौधों की वृद्धि व भूमिगत जीवों की संख्या तेज गति से बढ़ती है। परिणाम: ऐन टैगनिस्ट-शत्रु जीवाणुओं को समाप्त कर उपयोगी जीवाणु-माइक्रोफलोरा, पौध पोषण जो स्थायी अपरिवर्तनीय (फिक्सट) अवशोषणी (आयनिक) रुप में परिवर्तित होने पर पौधों की जड़ों में प्रवेश लेना संभव होता है।

कैसे- मोनोकाट फसलों में, जैसे गेहूं की जड़ों पर माईकोराइजा सहजीवी फफूंद पाई जाती है। इस फफूंद के हायपा सूक्ष्म दर्शी ट्यूब मोनोकाट की जड़ व दलहन की जड ग्रंथियों के मध्य पोषक तत्वों की आवक-जावक में सहयोग करती है। यह त्रिपक्षीय सहयोग का उदाहरण है। इस प्राकृतिक व्यवस्था का उपयोग करते हुए मोनोकाट गेहूं का पोषण हेतु रासायनिक/जैव खाद से प्राप्त होने वाले नत्रजन पर निर्भरता 70-80 प्रतिशत तक कम करना संभव होता है। इस प्राकृतिक सिद्धांत का लाभ लेना चाहिए। इसे किस प्रकार से निश्चित कार्य रुप दिया जाए? गेहूं के साथ में दलहनी चारा बरसीम/सेंजी (मिलीलोटस), लुसर्न को सहयोगी फसल के रुप में लगायें।

जल संवर्धन
प्राकृतिक संपदा मिट्टी, जीवाश्म व जल संवर्धन एक दूसरे के अनुकूल व संपूरक है। इस प्रकल्प की पूर्ति हेतु प्रत्येक खेत के आसपास मेढ़ के स्थान पर नालियां बनाए। प्रत्येक फार्म, फार्म के निकट पोखर/छोटी कुइया बनें। यह रिचार्ज-जल रिसन में सहायक होते है। तकनीक देखने में छोटी प्रतीत होती है पर परिणाम बहुआयामी है। भूमिगत जल स्तर में भारी गिरावट आ रही है। भूमिगत जल स्तर को तेजी से ऊपर उठानें हेतु, ट्युब वेल-नलकूप क आस पास गहरे रिचार्ज सेफट बनाए। इसे पोखर-तालाब में भी बनाएं। ऊपरी पर्तो-प्रोफाइल के जल की गुणवत्ता बेहतर रहती है जो उर्वरा भूमि व कम्पोस्ट के संग उत्पादन में उत्तरोत्तर वृद्धि करना संभव हो जाता है विशेष कर मानसून आधारित खेती से भी। परिवर्तित खेती अपनाने पर खेती लाभ का व्यवसाय के साथ में सहायक रोजगार से ग्रामीण अर्थव्यवस्था विकसित करने के लक्ष्य की पूर्ति संभव है। परिवर्तित खेती अपनाने पर रोजगार के अवसर में वृद्धि से युवा वर्ग भी ग्रामीण क्षेत्र के इकोफ्रेन्डली वातावरण में रहना पसंद करेगा।

उपसंहार
प्रस्तावित परिवर्तित खेती तकनीक के पक्ष में ठोस वैज्ञानिक अनुसंधन के सकारात्मक निष्कर्ष है। इस विषय पर वृद्ध विवेचना पुस्तक परिवर्तित खेती व पर्यावरण सुरक्षा लेखक वि-न.श्रॉफ में दी गई है। यह मौलिक ग्रंथ है, जो दक्षता के साथ तर्क-वितर्क के चातुर्य से आश्वस्त करते हुए अपील की गई है कि पुनः परिवर्तित-जैविक खेती को अपनाया जाय। इस पुस्तक को कृषि कार्यमाला का व्यवहारिक रुप दिया गया है। इस में प्रत्येक स्टेक होल्डर को लक्ष्य में रखा है, जैसे कृषक, उपभोक्ता, अनुसंधानकर्ता, विद्यार्थी, ट्रेनर-प्रशिक्षक, व्यवसायी, सामाजिक नियोजनकर्ता इत्यादि को। द्वितीय हरितक्रांति की सफलता का आधार स्तंभ है, ज्ञान व दक्षता। सदाबहार उच्च उत्पादन को प्राप्त करने का लक्ष्य है, किसी भी प्रकार से पर्यावरण को हानि न पहुंचाते हुए। इस के साथ में हरित-ग्रीन जी.डी.पी. विकास जो विश्व स्तर पर खाद्य पदार्थो की कीमतों की उथल-पुथल को नियंत्रण में रखते हुए। मंदी के दौर से उभरते हुए, भूख व कुपोषण से निजात पाने में प्रस्तावित तकनीक सहायक है। इस से ही सामाजिक न्याय की परिकल्पना को मूर्त रुप देने में सफलता मिलेगी।

जैव विविधता
प्रत्येक फार्म के चारों तरफ कई प्रकार की वनस्पति होना चाहिए। पौधे जिसका उपयोग कीट नियंत्रण हेतु जैसे नीम, महुआ, रत्नजोत, गेंदा, तुलसी, सुर्जना, आयपोमिया, अकुआ, धतूरा, लहसुन, मिर्च, सीताफल की पत्तियां-बीज इत्यादि को स्थान दें। इस के उपरांत पक्षी, मेंढक, उल्लू, सर्प वर्ग के जीव, मित्र कीट को संरक्षण दे। यह प्राकृतिक संतुलन को बनाये रखना में उपयोगी है। समस्त जीवों के हित में इसे संरक्षण दें फार्म के आस-पास ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के अलावा प्राकृतिक आवास स्थलों में।

जैव उर्वरक के गुण

जैव उर्वरक (खेती के लिए एक अनिवार्य आदान-प्रदान)

पोषण भोजन सजीवों की प्राथमिक आवश्यकता है जो पौधों की वृद्धि एवं विकास में सहायक है, जिसमें सभी तत्वों का आवश्यक एवं संतुलित मात्रा में होना अति आवश्यक है, पौधों के लिए मुख्यतः हवा, पानी, भूमि तथा उर्वरकों से प्राप्त होते है। पोषक तत्वों को पौधों की प्रायः अवस्था में बदलने का कार्य सूक्ष्म जीवों द्वारा किया जाता है। ये सूक्ष्म जीव ही जैव उर्वरकों के नाम से जाने जाते हैं, जो भोजन की पूर्ति के साथ-साथ फसल को कई प्रकार से लाभांवित करते हैं, जैसे पादप क्रियाओं में वृद्धि पौधों के लिए विटामिंस तथा हारमोन्स का निर्माण तथा उनका क्रियांवयन, एंटीबायोटिक व रोग निरोधक क्षमता का निर्माण तथा पौधों के जड़ भाग में नमी का संरक्षण कर अन्य कई प्रकार से पौधों को सुरक्षा प्रदान करते हुए मिट्टी की उर्वरता को लम्बे समय उपजाऊ बनाने में सहायक है। अतः जैव उर्वरक भूमि की लम्बी आयु के द्योतक है।

राइजोबियम
यह जीवाणु सभी दलहन फसलों के जड़ भाग मे ग्रंथि का निर्माण कर दलहन फसलों की 80-90 प्रतिशत मांग की पूर्ति करता है। जिसे बीजोपचार द्वारा 10 से 12 किलो बीज में एक राइजोबियम 200 ग्राम के पैकेट को एक गिलास पानी या चावल के माड में लेही बनाकर बीजों मे मिलाया जाता है। तथा सभी दलहनों के लिए अलग-अलग विशेष राइजोबियम कल्चर का प्रयोग होता है।

एजेटोबेक्टर
यह जीवाणु कल्चर सभी फसलों के लिए नत्रजन की 15 से 35 किलो प्रति हेक्टेयर तक की पूर्ति करता है।

एजोस्पिरिलिम
यह जीवाणु एजोटोबेक्टर जैसा ही जैव उर्वरक है तथा इसे बीजोपचार पौध-जड़ोपचार तथा मिट्टी उपचार द्वारा सभी फसलों में प्रयोग किया जा सकता है। तथा नत्रजन की स्थिरीकरण क्षमता 20-20 किलो प्रति फसल है।

एसीटोबेक्टर
यह जैव उर्वरक मुख्यतः गन्ने के लिए विशेष उपयोगी है। गन्ने के साथ-साथ शर्करा वाली फसलों के सम्पूर्ण भाग में पनपकर 65 से 150 किलो प्रति हेक्टर तक नत्रजन की पूर्ति करता है।

पीएसबी कल्चर
इसमें प्रयोग होने वाले जीवाणु खेत में पड़े फास्फोरस को जो कि पौधों को पूरी तरह प्राप्त नहीं होता, को घुलनशील अवस्था में परिवर्तित कर फसल के लिए उपयोगी बनाता है जिससे व्यर्थ फास्फोरस का अधिकतम उपयोग हो जाता है जिससे फसल को 10-40 किलो फास्फोरस उपलब्ध होकर फसल में 7-21 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है तथा सभी फसलों के लिए लाभदायक होता है।

वैम माइकोराइजा
यह जीवित लाभदायक फफूंदी जो फसलों के सम्पूर्ण जड़ भाग में पनपकर पौधों में फास्फोरस के साथ-साथ अनेक सभी आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्धता को बढ़ाते हैं तथा नमी संरक्षण व कई रोगों से सुरक्षा प्रदान करते है। उसका उपयोग बीजोपचार व पौध-जड़ोपचार द्वारा किया जा सकता है।

एजोला एवं बीजीए
एजोला एक जलीय खरपतवार है। इसे तालाब व झील आदि से एकत्रित कर धान के खेत में डाल सकते हैं। जबकि बीजीए कल्चर (5 किलो प्रति एकड़) को जैव उर्वरक उत्पादन केन्द्र से खरीद कर धान के खेत में रोपाई के समय प्रयोग करते हैं तथा दोनों ही अलग-अलग 30 से 40 किलो प्रति हेक्टर नत्रजन की पूर्ति करते है। एजोला एवं बीजीए दोनों ही धान के लिये उपयोगी है।

कम्पोस्ट डिकम्पोजर
यह कल्चर गोबर की खाद व कम्पोस्ट की विच्छेदन क्रिया को तेल कर कम समय में खाद तैयार हो जाती

है तथा इस कल्चर को 1 से 3 प्रतिशत कच्चे खाद की मात्रा के अनुसार गड्ढों में मिला देते हैं।

रोग बायोकन्ट्रोलर
ऐसे बहुत से कल्चर अब बाजार में उपलब्ध होने लगे है कि जैविक क्रिया के उत्पादों द्वारा कई बीमारियों एवं कीट-लार्वा आदि से फसल सुरक्षा करते है तथा फसलों में कल्चर की तरह से प्रयोग किये जाते है।

प्लांट राजोबैक्टिरिया
इसमें प्राप्त लाभदायक सभी जीवाणु जो पौधों के जड़ क्षेत्र में पनपते हुए फसलों को विभिन्न प्रकार से लाभांवित करते हैं जिसमें मृदा, पौधों दोनों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है।
जैव उर्वरकों की प्रयोग विधि

बीजोपचार
सीधी बिजाई वाली सभी फसलों के लिए बीजोपचार उत्तम तरीका है। इसके लिए नत्रजन देने वाले तथा फास्फोरस देने वाले एक-एक पैकेट को घोले पानी अथवा ठंडे चावल के माड में लेही बनाकर 10-12 किलो बीज पर काली परत चढ़ाने तक मिलायें तथा छाया में सुखाकर तुरंत बिजाई करें।

पौध जड़ोपचार
रोपाई की जाने वाली सभी फसलों के लिए 2 किलो एजेटोबेक्टर/एजोस्पिरिलम तथा उतनी ही मात्रा में फास्फोटिका आवश्यक जल में घोल बनाकर एक-दो घंटे रखें तथा धान के लिए रात भर रखें। इससे एक एकड़ पौध की रोपाई की जा सकती है।

मिट्टी उपचार
चार किलो एजेटोबेक्टर एजोस्पिरिलम अथवा दोनों दो-दो किलो तथा चार किलो पीएसबी कल्चर को उचित नमी वाले 100 से 150 किलो गोबर की तैयार खाद में मिश्रण तैयार कर 24 घंटे बाद फसलों की जड़ वाले भाग में प्रयोग करें।

गहरी जुताई
बड़ी कमाई

रबी की फसल कटाई के बाद अप्रैल से जून तक मिट्टी पलटने वाले हल या डिस्क प्लाऊ से की जाने वाली जुताई ग्रीष्मकालीन जुताई कहलाती है। यह जुताई आगामी खरीफ फसलों के लिए बहुत ही लाभकारी होती है । एक ही प्रकार के कृषि यंत्रों जैसे देशी हल या ट्रैक्टर चलित कल्टीवेटर आदि द्वारा खेतों की लगातार जुताई करते रहने के कारण भूमि में एक निश्चित गहराई में

कठोर परत बन जाती है। इस आंतरिक कठोर सतह के कारण वर्षा का जल भूमि में ठीक से प्रवेश नहीं कर पाता। भूमि, वर्षा जल का नहीं हो पाने से जल बहकर खेत से बाहर निकल जाता है । जिससे भूमि में नमी का उचित संरक्षण नहीं हो पाता । इसको उपयुक्त दशा में लाने के लिए रबी की फसल काटते ही जुताई आंरभ कर देनी चाहिए। क्योंकि फसल कटने के तुरंत बाद मिट्टी में थोड़ी बची नमी में भी जुताई करने में आसानी रहती है । बाद में मिट्टी की नमी के वाष्पीकरण से खेत सूख जाते हैं और गहरी जुताई करना कठिन हो जाता है। प्रत्येक तीसरे वर्ष खेतों की गहरी जुताई 40 सेमी. या इससे अधिक गहराई तक आवश्यक रूप से करनी चाहिए।

ग्रीष्मकालीन जुताई के निम्न लाभ हैं -

मिट्टी के जल सोखने की क्षमता में वृद्धि - खेत की गहरी जुताई करने से मिट्टी पलट जाती है और भूमि के अन्दर निर्मित कठोर सतह के टूट जाने से गहराई तक भुरभुरी बन जाती है। इससे मानसून की पहली वर्षा का अधिकांश पानी जमीन के अंदर चला जाता है जो खरीफ फसलों के लिए बहुत ही लाभकारी होता है। पहली वर्षा के जल में वायुमण्डल में उपस्थित नाइट्रोजन भी घुली होती है और यह जल भूमि में प्रवेश कर खेत की उर्वराशक्ति में बढ़ोतरी करती है । जमीन में वर्षा का पानी प्रवेश करने से भूमि के जलस्तर में वृद्धि होती है। वर्षा आधारित असिंचित कृषि में ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई का भी विषेश महत्व है क्योंकि ऐसी स्थिति में फसलों सें अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने के लिए वर्षा जल का अधिक मात्रा में भूमि के अंदर संचय होना आवश्यक है ।

मिट्टी के वायु संचार में वृद्धि - मिट्टी में बीजों का अंकुरण जड़ो की वृद्धि, उचित वायु संचार तथा मिट्टी जल को उचित मात्रा में बनाये रखने के लिए खेत में जैव कार्बनिक पदार्थ मिलाकर अच्छी प्रकार से जुताई करना चाहिए । जुताई से भूमि में जीवांश पदार्थ सड़कर पौध पोषक तत्वों में बदल मात्रा में बने रहते है तथा सूक्ष्म जीवों को उचित मात्रा में आक्सीजन मिलती रहती है ।

मिट्टी में उचित तापमान बनाये रखना- बोई गई फसल बीजों का अंकुरण कृषि भूमि के उचित तापमान पर निर्भर करता है । ग्रष्मिकालीन गहरी जुताई से मिट्टी अच्छी तरह पलट जाती है तथा भूमि के अंदर मिट्टी संरचना में सुधार होने से सूर्य की किरणें सीधी भूमि के अंदर पहुंच जाती है। इससे खरीफ फसलों के बोये गये बीजों का अंकुरण सही तापमान पर आसानी से हो जाता है तथा पौधों का विकस अच्छा होता हैं।

मिट्टी के गुणों में सुधार- भूमि की ऊपरी सतह पर रबी फसलों के बचे हुए पौध व खरपतवारों के अवशेश गर्मी में खेत की गहरी जुताई करने पर मिट्टी में अच्छी तरह से दब जाते हैं।

आठ साल बाद 110 डॉलर पार कच्चा तेल

25 रुपए तक महंगे हो सकते हैं पेट्रोल-डीजल, सरकार से राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध से कच्चा तेल भड़क उठा है। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल ब्रेंट क्रूड के भाव बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गए हैं। इस बीच अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी आईईए ने दुनिया में एनर्जी संकट बढ़ने की चेतावनी दी है। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से रूस से कच्चे तेल की सप्लाई पर असर पड़ा। जिससे क्रूड के भाव 2014 के बाद सबसे ऊंचाई पर पहुंच गए। इससे आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल के दाम 25 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ सकते हैं। ग्लोबल एग्रीमेंट के अनुसार कच्चे तेल की सप्लाई नहीं हो पा रही है।

जापान, अमेरिका सहित आईईए के सदस्यों ने अपने रिजर्व में से छह करोड़ बैरल तेल जारी करने की तैयारी की है, लेकिन यह एक दिन के तेल खपत से भी कम है। ऐसे में आने वाले दिनों में कच्चे तेल की कीमत और बढ़ सकती है। आईईए ने कहा है कि अमेरिका ने अपने ऑइल रिजर्व में से तीन करोड़ बैरल तेल बाजार में जारी किया है। कोरोना से पहले दुनियाभर में रोजाना 10 करोड़ बैरल तेल की खपत हो रही थी। तेल कंपनियों ने 3 नवंबर से पेट्रोल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। लेकिन तब से लेकर अब तक कच्चा तेल 33 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा महंगा हो गया है। इतना ही नहीं, आगे भी इसमें तेजी जारी रह सकती है। ऐसे में आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 25 रुपए तक की बढ़ोतरी हो सकती है। रेटिंग एजेंसी इक्रा के मुताबिक, कच्चा तेल एक डॉलर प्रति बैरल महंगा होने पर देश में पेट्रोल-डीजल के दाम औसतन 55-60 पैसे प्रति लीटर बढ़ जाते हैं।

150 डॉलर तक जा सकता है कच्चा तेल

ग्लोबल फर्म गोल्डमैन सैश, मॉर्गन स्टैनली और जेपी मॉर्गन ने कच्चे की कीमतों पर भविष्यवाणी की है। इन एजेंसियों के अनुसार कच्चे तेल के दाम जल्द ही 150 डॉलर प्रति बैरल को भी पार कर सकते हैं। हालांकि, रूस ने अपने क्रूड के दाम रिकॉर्ड स्तर तक घटा दिए हैं, लेकिन अमेरिका और यूरोप की ओर से लगे प्रतिबंधों की वजह से कोई भी उसे खरीद नहीं रहा है। रुझान बताते हैं कि पिछले 119 दिनों से देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। जबकि इसी दौरान कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से बढ़त हुई है और यह दो महीने के उच्चतम लेवल पर पहुंच गया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि उत्तर प्रदेश और पंजाब सहित पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनाव के बाद आम आदमी को महंगाई के मोर्चे पर बड़ा झटका लग सकता है। विधान सभा चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आने हैं इसके बाद पेट्रोल-डीजल महंगे हो सकते हैं।

कर में कटौती कर सरकार दे सकती राहत

महंगाई को काबू में करने के लिए सरकार पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले टैक्स एक्साइज ड्यूटी में कटौती कर आम जनता को राहत दे सकती है। केंद्र सरकार ने कोरोना की पहली लहर में दो बार में पेट्रोल-डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में 15 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। हालांकि इसके बाद तीन नवंबर को पेट्रोल पर 5 और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी की कटौती की थी।

बाजार फिर धड़ाम

सेंसेक्स में 778 अंक की गिरावट

मुंबई । वैश्विक स्तर के मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर धातु, एनर्जी, पावर और तेल एवं गैस जैसे समूहों में हुयी लिवाली के बावजूद ऑटो,बैंकिंग, वित्त और आईटी आदि समूहों में हुई बिकवाली के कारण शेयर बाजार में एक फीसद से अधिक की गिरावट दर्ज की गई।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 778.38 अंक गिरकर 55468.90 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई का निफ्टी 187.95 अंक उतरकर 16605.95 अंक पर रहा। बीएसई में दिग्गज कंपनियों की तुलना में छोटी और मझौली कंपनियों में बिकवाली कम रही है जिससे मिडकैप 0.17 प्रतिशत उतरकर 23316.56 अंक पर और स्मॉलकैप 0.12 प्रतिशत गिरकर 26631.33 अंक पर रहा। बीएसई में शामिल अधिकांश समूह गिरावट में रहे जिसमें ऑटो 2.87 प्रतिशत, बैंक 2.25 प्रतिशत, वित्त 2.07 प्रतिशत, सीडीजीएस 1.73 प्रतिशत, हेल्थकेयर 1.23 प्रतिशत, रियल्टी 1.23 प्रतिशत शामिल है। बढ़त में रहने वाले समूहों में धातु 4.58 प्रतिशत शामिल है।

निवेशकों को 86742 करोड़ रुपए की चपत

बुधवार को घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट से निवेशकों को 86742 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। घरेलू बाजार में बड़े पैमाने पर बिकवाली के साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 86741.74 करोड़ रुपए घटकर 25152303.35 करोड़ रुपए पर आ गया।

छह महीने के रिकॉर्ड स्तर पर बेरोजगारी

बेरोजगारी दर 8.1 फीसदी पर, गांवों में ज्यादा हालत खराब

नई दिल्ली । फरवरी में भारत की बेरोजगारी दर बढ़कर 8.1 फीसदी के छह महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो जनवरी में 10 महीने के निचले स्तर 6.57 फीसदी पर आ गई। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी, सीएमआईई द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत में बेरोजगारी दर पिछले महीने 8.1 फीसदी थी। पिछले महीने गांवों में बेरोजगारी आठ महीने के रिकॉर्ड स्तर पर थी।

सीएमआईई के आंकड़ों के मुताबिक फरवरी 2022 में गांवों में बेरोजगारी 2.51 फीसदी बढ़कर 8.35 फीसदी पर पहुंच गई। हालांकि इसके विपरीत शहरों में बेरोजगारी दर पिछले महीने 7.55 फीसदी रही जो चार महीने का निचला स्तर है। लेबर सेक्टर के एक्सपर्ट्स का कहना है कि लॉकडाउन रिस्ट्रिक्शंस में ढील और फॉर्मल व इनफॉर्मल दोनों सेक्टर में तेज रिकवरी की वजह से शहरों में बेरोजगारी दर कम हो रही है। कुछ राज्यों के मनरेगा बजट में कमी और गांवों में गैर कृषि क्षेत्र में नए रोजगार की सीमित उपलब्धता के चलते गांवों में बेरोजगारी दर में उछाल रही और यह फरवरी में आठ महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। सीएमआईई के मुताबिक 2021 में मई में बेरोजगारी दर 11.84 फीसदी पर पहुंच गई थी। हालांकि इसके बाद इसमें गिरावट देखने को मिली और ये जनवरी 2022 में 6.57 फीसदी पर आई थी, लेकिन अब ये फिर से बढ़ने लगी है।

केनरा बैंक ने जमा पर ब्याज दरें बढ़ाई

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने विभिन्न परिपक्वता अवधि वाली सावधि जमाओं पर ब्याज दरें चौथाई प्रतिशत तक बढ़ा दी। केनरा बैंक ने एक बयान में कहा कि संशोधित दरें एक मार्च, 2022 से प्रभावी हैं। इसमें कहा गया है कि एक साल की अवधि के लिए सावधि जमा की ब्याज दर को बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया गया है जबकि एक दो साल के लिए सावधि जमा पर इसे पांच प्रतिशत से बढ़ाकर 5.15 प्रतिशत कर दिया गया है।

बयान केमुताबिक 2-3 साल की सावधि जमा पर ब्याज दर 5.20 प्रतिशत और 3-5 साल के लिए जमा पर ब्याज दर 5.45 प्रतिशत कर दी गई है जो पहले 5.25 प्रतिशत थी। इसमें कहा गया है कि 5-10 साल की सावधि जमा पर अधिकतम 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर ब्याज दर को 5.5 प्रतिशत कर दिया गया है। वरिष्ठ नागरिकों को सभी अवधि की मियादी जमाओं पर 0.50 प्रतिशत यानी आधा प्रतिशत अधिक ब्याज मिलेगा।

विनिर्माण क्षेत्र में तेजी के संकेत

फरवरी का पीएमआई 54.9 अंक रहा

नई दिल्ली । भारत का फरवरी 2022 में पर्चेजिंग मैनेजर्स सूचकांक पीएमआई जनवरी के 54.0 अंक से सुधरकर 54.9 अंक हो गया है। यह विनिर्माण क्षेत्र में तेजी का संकेत है। यह सूचकांक 50 अंकों से ऊपर होने पर तेजी और उससे नीचे होने पर मंदी का संकेत माना जाता है।

आईएचएस मार्किट द्वारा जारी इस मासिक रिपोर्ट से देश के विनिर्माण क्षेत्र की फर्मों के पर्चेज मैनेजर ने उत्पादन और कच्चे माल की खरीद आदि में बढ़ोतरी की पुष्टि की है। सर्वे पर आधारित इस रिपोर्ट में का निष्कर्ष है कि फरवरी 2022 में नए ऑर्डर में तेजी आयी है। साधन सामग्री वर्ग की मुद्रास्फीति छह माह के न्यूनतम स्तर पर है और व्यवसायियों का बाजार को लेकर उत्साह चार महीने के उच्चतम स्तर पर है। आईएचएस मार्किट ने एक बयान में कहा, मौसम की दृष्टि से आईएचएस मार्किट इंडिया विनिर्माण पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स पीएमआई जनवरी के 54.0 अंक की तुलना में बढ़कर फरवरी में 54.9 अंक रहा।

यह इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य में सशक्त सुधार का संकेत है। पिछले आठ महीने में अधिकांश समय वृद्धि दिखी है और यह सूचकांक इस दौरान औसतन 53.6 रहा। आईएचएस मार्किट ने यह भी कहा कि भारतीय विनिर्माताओं पर क्षमता में कमी का हल्का दबाव भी है क्योंकि इंतजार बढ़ रहा है। बयान में कहा गया है कि उत्पादन क्षमता में कमी और मांग में सुधार के बावजूद रोजगार में कमी आई है, लेकिन छटनी बहुत कम है।इस सर्वे रिपोर्ट के अनुसार फरवरी में विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन सामग्री की कीमतें अब भी ऊंची हैं, लेकिन इस वर्ग में मुद्रस्फिति का स्तर छह महीने के न्यूनतम स्तर पर है।

नए आर्डर मिले, खरीदारी भी बढ़ी

आईएचएच मार्किट की अर्थशास्त्री श्रेया पटेल ने फरवरी की रिपोर्ट की टिप्पणी करते हुए कहा, इससे भारत में फरवरी 2022 में विनिर्माण क्षेत्र के परिचालन की दशा सुधरी है। नए ऑर्डर मिलने की गति में मजबूत सुधार दिखा है और खरीदारी भी बढ़ी है। बकाया मांग लगातार बढ़ने से आने वाले महीनों में रोजगार का स्तर बढ़ सकता है और क्षमता में कमी का दबाव भी बढ़ सकता है।

बाजार समीक्षा आयात बिल के निरंतर बढ़ते खर्च को लेकर सरकार चिंतित

सरकार का एथेनॉल उत्पादन पर फोकस

मंगलुरु। देश का आयात बिल लगातार बढ़ने को लेकर केंद्र सरकार चिंतित है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने ऑटोमोबाइल निर्माताओं को फ्लेक्सी इंजन वाले वाहन के उत्पादन के लिए एडवाइजरी जारी की है, जिसके चलते वाहन पेट्रोल और एथेनॉल का उपयोग कर सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि ऊर्जा और बिजली क्षेत्र की प्रगति के लिए कृषि क्षेत्र में विविधता लाना व देश को एथेनॉल अर्थव्यवस्था बनाना आवश्यक है। देश के कुछ बड़े वाहन निर्माता पहले से ही मंत्रालय की सलाह पर काम आरंभ कर चुके हैं और फ्लेक्सी इंजन वाले वाहन छह महीने के भीतर सड़कों पर आ सकते हैं। वर्तमान में पेट्रोल के साथ 10 फीसदी मिश्रण के लिए हर साल लगभग 400 करोड़ लीटर एथेनॉल का उत्पादन किया जा रहा है। जब फ्लेक्सी इंजन वाले वाहन कारखानों से निकलने लगेंगे, तो देश को एक वर्ष में 2000 करोड़ लीटर एथेनॉल की जरूरत हो सकती है। उन्होंने मंगलुरु में कनारा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केसीसीआई) के सदस्यों से कहा, देश कृषि उत्पादों के लिए बहुत बड़ी संभावनाएं हैं। एक बार खाद्यान्न की कमी का सामना करने के बाद देश में अब अधिशेष खाद्यान्न है। गडकरी ने कहा किए सरकार ने एथेनॉल नीति को मंजूरी दे दी है और इस क्षेत्र को निजी खिलाड़ियों के लिए खोल दिया है। उन्होंने कहा, हमारे पास चावल अधिशेष, मकई अधिशेष और गन्ना अधिशेष है। यदि अधिशेष कृषि उपज का उपयोग एथेनॉल के उत्पादन के लिए किया जाता है, तो आयात बिलों पर देश की बचत के अलावा किसानों को भी अच्छा रिटर्न मिलेगा। साथ ही आयातित ईंधन पर आयात निर्भरता घटने से बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा के व्यय को रोकने में काफी मदद मिलेगी। इससे रूपया भी मजबूत होगा।

खाद्य तेल मजबूत, सरसों की आवक 8.25 लाख बोरी

इंदौर। यूक्रेन संकट के बीच डॉलर के समक्ष रुपए की कमजोरी बढ़ने से आयात लागत महंगी बैठ रही है, इससे घरेलू बाजारों में खाद्य तेलों के दामों में मजबूती कायम रही। मूंगफली तेल ऊंचा बोला जा रहा था। देशभर में सरसों आवक 8.25 लाख बोरी हुई। जयपुर में तेल कंडीशन आधारित सरसों 200 रु बढ़कर 7425 रु बताई गई। सोयाबीन की आवक देशभर में 1.40 लाख बोरी दर्ज हुई। प्लांट सौदों में अवि 7900, घानुका 7875, रूचि 7825, प्रेस्टीज 7850, एमएस नीमच 7900, अंबिका 7900, लक्ष्मी 7800 रु क्विंटल थे। मलेशिया पाम तेल वायदा मार्च 1930 डॉलर प्रति टन था। केएलसीई 104 रिंगिट नीची बंद हुई। शिकागो सोया तेल वायदा रनिंग सौदो में 65 सेंट नीचा चल रहा था। खाद्य तेल प्रति 10 किलो सोया रिफाइंड 1580-1610, साल्वेंट 1560-1565, मुंबई रिफाइंड 1580, मूंगफली तेल 1600, मुंबई 1600, गुजरात 1550, पामतेल मुंबई 1550, इंदौर 1600, कपास्या तेल 1510 रु। **कपास्या खली में तेजी: दाम बढ़कर** प्रति 60 किलो इंदौर-देवास-उज्जैन 2150-2155, खंडवा-बुरहानपुर 2125 रु अकोला 3150 रु क्विंटल।

दिल्ली में सोना 1202 रु व चांदी 2148 रु उछली

नई दिल्ली। बुधवार सराफा बाजार में सोना-चांदी में जोरदार उछाल रहा। सोना 1202 रु उछलकर 51889 प्रति दस ग्राम रही। रुपये कमजोर होने से मजबूती को बल मिला है। पिछले सत्र में सोना 50687 रु बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 2148 रु बढ़कर 67956 रु प्रति किलो बंद हुई। पिछले सत्र में चांदी 65808 रु पर बंद हुई थी। पूर्वी यूरोप में तनाव बढ़ने से बुधवार को अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये कमजोर था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा बुधवार को न्यूयॉर्क स्थित जिंस एक्सचेंज कॉमेक्स में सोने की हाजिर कीमत में मामूली गिरावट देखी गई।

फरवरी के निर्यात के आंकड़ों से उत्साह

यूक्रेन संकट से चिंता: फियो

नई दिल्ली । निर्यात जगत ने फरवरी में भारत से वाणिज्यिक वस्तुओं के निर्यात में जोरदार सुधार जारी रहने पर उत्साह प्रकट करते हुए उम्मीद जाहिर की है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक निर्यात पहली बार 400 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर सकता है।

भारतीय निर्यात संघों के महासंघ फियो के अध्यक्ष डॉ ए शक्तिवेल ने कहा कि फरवरी 2022 तक, लगातार 11 महीने से हर माह भारत का निर्यात 30 अरब डॉलर से ऊपर चल रहा है और हम इस वित्त वर्ष में 400 अरब डॉलर के निर्यात के लक्ष्य को पार करने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

डॉ शक्तिवेल ने कहा कि फरवरी में इंजिनियरिंग समान और पैट्रोलियम उत्पाद, रत्नाभूषण, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन, बिजली के समान, सूती धागे और कपड़े, हैंडलूम के समान, प्लास्टिक और लिनोलियम और चावल के निर्यात में अच्छी वृद्धि हुयी। भारतीय इंजिनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद के अध्यक्ष महेश देसाई ने कहा कि फरवरी इंजिनियरिंग वस्तुओं का निर्यात सालाना आधार पर 31 प्रतिशत बढ़कर 9.2 अरब डॉलर के बराबर रहा। उन्होंने यूक्रेन संकट पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि उसका भारत के निर्यात पर क्या असर होगा इसका आंकलन नहीं किया गया है। श्री देसाई ने कहा, सीआईएस देशों रूस भारतीय इंजिनियरिंग समान का सबसे बड़ा बाजार है। रूस को वैश्विक स्विफ्ट प्रणाली बैंकों के बीच सौदों की दूरसंचार से सूचना के आदान-प्रदान की व्यवस्था से प्रतिबंधित कर दिए जाने से निर्यातकों को धन के भुगतान में देरी हो सकती है। रूस यूक्रेन संकट लंबा चला तो उसका असर निर्यात पर पड़ सकता है।

डॉलर के मुकाबले रुपया गिरा

मुंबई। बुधवार को विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 44 पैसे टूटकर 75.77 के स्तर पर आ गया।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि सतत विदेशी कोष की निकासी, शेयर बाजार में कमजोर रुख और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से इस पर असर हुआ। आरंभिक दौर में रुपया 75.78 पर कमजोर खुला। बाद में और नीचे आते हुए 75.86 के स्तर को छूने के बाद अंत में 44 पैसे टूटकर 75.77 के स्तर पर बंद हुआ। सोमवार को 75.33 बंद हुआ था मंगलवार को शिवरात्रि पर मुद्रा विनिमय बाजार बंद था। इस बीच छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर रुख दर्शाने वाला सूचकांक 0.20 फीसदी तेजी के साथ 97.60 पर जा पहुंचा। वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 5.71 प्रतिशत बढ़कर 110.96 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गयी। घरेलू शेयर बाजार का सेंसेक्स 778.38 अंक लुढ़ककर 55468.90 और एनएसई निफ्टी सूचकांक 187.95 अंक टूटकर 16605.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

टल सकता है एलआईसी का आईपीओ

यूक्रेन संकट का असर

नई दिल्ली । रूस-यूक्रेन संकट गहराने से वैश्विक वित्तीय बाजारों पर पड़ रहे दुष्प्रभाव को देखते हुए सरकार भारतीय जीवन बीमा निगम एलआईसी के मेगा आईपीओ को कुछ समय के लिए स्थगित कर अपनी हिस्सेदारी का अधिकतम मूल्य प्राप्त करने के लिए उपयुक्त समय की प्रतीक्षा कर सकती है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सरकार से जुड़े एक सूत्र ने कहा, रूस-यूक्रेन विवाद अब पूरी तरह युद्ध का रूप ले चुका है लिहाजा हमें एलआईसी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम आईपीओ की दिशा में आगे बढ़ने के लिए स्थिति का आकलन करना होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी उभरती भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए एलआईसी के आईपीओ की समीक्षा किए जाने के संकेत दिए थे। सीतारमण ने कहा था, आदर्श रूप में, मैं इस दिशा में आगे बढ़ना चाहूंगी क्योंकि हमने विशुद्ध रूप से भारतीय सोच के आधार पर इसकी योजना बनाई थी। लेकिन अगर वैश्विक परिस्थितियां इस बात पर पुनर्विचार करने के लिए बाध्य कर रही हैं तो मुझे इस पर नए सिरे से गौर करने में कोई दिक्कत नहीं होगी। देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ कहा जा रहा एलआईसी का निर्गम इसी महीने बाजार में आने की उम्मीद जताई जा रही थी। एलआईसी ने 13 फरवरी को पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष आईपीओ का मसौदा पत्र पेश किया था। सरकार चालू वित्त वर्ष में 78000 करोड़ रुपए के विनिवेश लक्ष्य को पूरा करने के लिए इस जीवन बीमा कंपनी में अपनी पांच प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 63000 करोड़ रुपए जुटाने की उम्मीद कर रही थी।

एल्युमीनियम उद्योग ने किया कोयला आपूर्ति सुनिश्चित करने आग्रह

नई दिल्ली । एल्युमीनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया एएआई ने प्रधानमंत्री कार्यालय पीएमओ से एल्युमीनियम समेत गैर बिजली क्षेत्र को प्रति दिन कम से कम 25 से 30 कोयला रैक की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। उद्योग ने बुधवार को कहा कि एल्युमीनियम कंपनियों समेत गैर विद्युत उद्योग पिछले सात महीनों से कोयले की लंबी कमी से प्रभावित है।

उद्योग निकाय एएआई ने चेतावनी देते हुए कहा कि एल्युमीनियम क्षेत्र के उत्पादन में बाधा का भारत के औद्योगिक परिदृश्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। एएआई ने इस संकट की गंभीरता को बताने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय को भी पत्र लिखा है। इस पत्र में उद्योग निकाय ने घरेलू उद्योग के अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए कोयले की आपूर्ति की तत्काल बहाली की मांग की है। एएआई ने पीएमओ को लिखे पत्र में कहा, पिछले सात महीनों से देश में गैर.विद्युत क्षेत्र लंबे समय से कोयले की कमी से जूझ रहा है। एल्युमीनियम कंपनियां गैर विद्युत क्षेत्र का मुख्य हिस्सा है। वैश्विक स्तर पर सबसे व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली अलौह धातु और देश में कई प्रमुख उद्योगों के लिए एक अहम कच्चे माल के रूप में क्षेत्र के उत्पादन में किसी भी तरह के व्यवधान से निस्संदेह देश के औद्योगिक परिदृश्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। एएआई ने कहा, कोल इंडिया लिमिटेड बिजली क्षेत्र को सुधार के बावजूद अनुचित प्राथमिकता दे रहा है।

11 कोयला खदानों के लिए मिली 26 निविदायें

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि 11 कोयला खदानों के लिए 26 निविदायें प्राप्त हुई और अन्य पांच खदानों के लिए दो और निविदायें मिली हैं। सरकार के प्रस्ताव पर जेएसडब्ल्यू स्टील, जिंदल स्टील और पावर लिमिटेड जेएसपीएल, महानदी माइन्स और मिनरल्स, भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड, ट्वेन्टी फर्स्ट सेंचुरी माइनिंग और तमिलनाडु जेनेरेशन और डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन बोली लगाने वाली प्रमुख कंपनियां हैं। नीलामी प्रक्रिया में कुल 21 कंपनियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन तरीके से निविदायें डाली हैं। कोयला मंत्रालय ने कहा, निविदाओं का मूल्यांकन एक बहु-विषयक तकनीकी मूल्यांकन समिति द्वारा किया जाएगा और तकनीकी रूप से योग्य निविदा कर्ताओं को 24 मार्च, 2022 से एमएसटीसी पोर्टल पर आयोजित होने वाली इलेक्ट्रॉनिक नीलामी में भाग लेने के लिए चुना जाएगा। मंत्रालय ने कोयले की बिक्री के लिए कोयला खदान की नीलामी प्रक्रिया के चौथे भाग की शुरुआत 16 दिसंबर 2021 को थी, जिसमें बोली लगाने की अंतिम तिथि 28 फरवरी 2022 थी।

फरवरी में निर्यात 22 फीसदी उछला

बढ़कर 33.81 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष के फरवरी महीने में देश का निर्यात 22.36 प्रतिशत बढ़कर 33.81 अरब डॉलर पर पहुंच गया जबकि पिछले वर्ष फरवरी में यह 27.68 अरब डॉलर रहा था। फरवरी 2020 में कोरोना की पहली लहर के कारण लॉकडाउन लगने से पहले यह 27.74 अरब डॉलर रहा था। इस तरह से फरवरी 2022 में भारतीय निर्यात ने कोरोना काल के पहले स्तर को भी पार लिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में अप्रैल 2021 से फरवरी 2022 तक 11 महीने में देश का कुल निर्यात 374.05 अरब डॉलर रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 256.55 अरब डॉलर की तुलना में 45.80 प्रतिशत अधिक है। कोरोना महामारी से पहले मार्च 2020 में समाप्त हुये वित्त वर्ष में इस अवधि में निर्यात 291.87 अरब डॉलर रहा था जिसकी तुलना में चालू वित्त वर्ष के 11 महीने का निर्यात 28.16 प्रतिशत अधिक है। आंकड़ों के अनुसार फरवरी 2022 में भारत का आयात 55.01 अरब डॉलर रहा जो पिछले वर्ष फरवरी के 40.75 अरब डॉलर के आयात की तुलना में 40.75 प्रतिशत अधिक है। फरवरी 2020 में आयात 37.90 अरब डॉलर रहा था जिसकी तुलना में इस वर्ष फरवरी में आयात 45.12 प्रतिशत बढ़ा है।

आयात में बढ़ोतरी से व्यापार घाटा बढ़ा

फरवरी में आयात में बढ़ोतरी होने से देश का व्यापार घाटा 21.19 अरब डॉलर रहा है जो फरवरी 2021 के 13.12 अरब डॉलर के व्यापार घाटा की तुलना में 61.59 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल 2021 से फरवरी 2022 के दौरान कुल व्यापार घाटा 176.07 अरब डॉलर रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 88.99 अरब डॉलर के व्यापार घाटा की तुलना में 97.86 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्त वर्ष में फरवरी 2022 तक 11 महीने में देश का आयात 550.12 अरब डॉलर रहा है जो इसी अवधि में पिछले वित्त वर्ष के 345.54 अरब डॉलर के आयात की तुलना में 59.2 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल 2019 से फरवरी 2020 तक 443.24 अरब डॉलर का आयात हुआ था जिसकी तुलना में चालू वित्त वर्ष के 11 महीने में आयात 24.11 प्रतिशत अधिक है।

आईआईजेएस सिग्नेचर में पांच हजार करोड़ रुपए का कारोबार

मुंबई । जेम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल जीजेईपीसी द्वारा आयोजित आईआईजेएस सिग्नेचर 2022 में 5000 करोड़ रुपए के रत्न एवं आभूषणों का कारोबार हुआ है। जीजेईपीसी ने कहा कि आईआईजेएस का यह 14वां संस्करण था जिसमें लगभग 950 एक्जीबिटरों ने हिस्सा लिया। अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, नेपाल, उज्बेकिस्तान और बंगलादेश के 571 अंतर्राष्ट्रीय विजिटरों और प्रतिनिधिमंडलों सहित 17242 से अधिक विजिटरों ने शो को विजिट किया। इस प्रदर्शनी के बारे में जीजेईपीसी ने कहा, हमने आईआईजेएस सिग्नेचर 2022 को केवल तीन सप्ताह के रिकॉर्ड समय में आयोजित किया और इसकी सफलता भारतीय बाजार तथा अर्थव्यवस्था की बुनियादी ताकत का एक बड़ा प्रमाण है। पिछले सितंबर से हीरे की कीमतों में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि ने खरीदारों को अपने खरीद निर्णय के बारे में संशय में छोड़ दिया था। आईआईजेएस सिग्नेचर उन खरीदारों के लिए एक टेस्टिंग ग्राउंड बन गया, जो एक्जिबिटरों के बीच दरों की तुलना करना चाहते थे।

महिला विश्वकप क्रिकेटः

डॉटिन की शानदार गेंदबाजी से वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को हराया

माउंट माउंगानुइ ।

वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी विश्व कप क्रिकेट के पहले ही मुकाबले में मेजबान टीम न्यूजीलैंड को हरा दिया। माउंट माउंगानुइ के बे ओवल मैदान पर खेले गये इस रोमांचक मैच में मेजबान टीम जीत से केवल 6 रन पीछे थी तभी वेस्टइंडीज की डी डॉटिन ने 5 गेंदों में 3 विकेट लेकर बाजी पलट दी। इस मैच में वेस्टइंडीज टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम को जीत के लिए 260 रनों का लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए कीवी टीम 254 रन ही बना पायी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेटरों की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर डॉटिन के साथ हेले मैथ्यूज ओपनिंग के लिए मैदान पर उतरी। डॉटिन 7 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 12 रन बनाकर आउट हो गयी। हेले ने एक छोर संभाले रखा और कप्तान टेलर 30, कैम्बेल 20 और नेशन 36 के साथ मिलकर स्कोर को आगे बढ़ाया। हेले ने 128 गेंदों में 16 चौके और एक छक्के की मदद से 119 रन बनाए और स्कोर 259 तक पहुंचा दिया। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से ताहुहु ने 57 रन देकर तीन, जेस कर ने 43 रन देकर दो तो हन्नाह रोव ने 51 रन देकर एक विकेट लिया। अमेरिया कर भी एक विकेट लेने में सफल रही। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान न्यूजीलैंड की शुरूआत खराब रही।सूजी बेट्स 3 तो अमेलिया कर 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। लेकिन सलामी बल्लेबाज और कप्तान सोफिया डिवाइन ने सूजी बेट्स 3 तो अमेलिया कर 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। लेकिन सलामी बल्लेबाज और कप्तान सोफिया डिवाइन ने एक छोर संभाले रखा और शतक जड़ा। सोफिया ने 127 गेंदों में 10 चौकों की मदद से 108 रन बनाए। मार्टिन ने 47 गेंदों में 44 तो जेस ने 21 गेंदों में 25 रन बनाए। यह दोनों अपनी टीम को जीत के बेहद करीब ले आयीं थी पर तभी आखिरी ओवर में डॉटिन ने तीन विकेट लेकर अपनी अपनी टीम को जीत दिला दी।

इगोर स्टिमक ने बहरीन में दो मैत्री मुकाबलों के लिए 38 संभावित खिलाड़ी चुने

नई दिल्ली । भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने इस महीने बहरीन के मनामा में होने 2 अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबलों के तैयारी शिविर के लिए 38 संभावित खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की जिसमें 8 नए चेहरे शामिल हैं। गोलकीपर प्रभसुखन गिल और मोहम्मद नवाज, डिफेंडर दीपक तंगड़ी और रोशन सिंह के अलावा मिडफील्डर विक्रम प्रताप सिंह, वीपी सुहेर, अनिकेत जाधव और जैरी मावमिनंगथांगा को पहली बार राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया है। भारत को मैत्री मुकाबलों में 23 मार्च को बहरीन जबकि 26 मार्च को बेलारूस से भिडना है। तैयारी शिविर पुणे में 10 मार्च को शुरू होगा। मौजूदा इंडियन सुपर लीग के सेमीफाइनल में खेल रहे क्लब के खिलाड़ी अपने क्लब की प्रतिबद्धता खत्म होने पर शिविर से जुड़ेंगे। इसके बाद सूची में कटौती की जाएगी। भारतीय टीम 21 मार्च को बेहरीन रवाना होगी। मनामा में होने वाले दो मैत्री मैच 2023 एएफसी एशियाई कप के तीसरे दौर के क्वालीफायर की भारत की तैयारी का हिस्सा हैं। ये क्वालीफायर जून में कोलकाता में होंगे। गोलकीपर : गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, धीरज सिंह, प्रभसुखन गिल और मोहम्मद नवाज। डिफेंडर : प्रीतम कोटल, आशुतोष मेहता, सेरिटन फर्नांडिज, आशीष राय, राहुल भेके, संदेश झिंगन, दीपक तंगड़ी, नरेंदर गहलोत, चिंगलेनसाना सिंह, सुभाशीष बोस, आकाश मिश्रा, मंदार राव देसाई और रोशन सिंह। मिडफील्डर : उदांता सिंह, विक्रम प्रताप सिंह, अनिरुद्ध थापा, सहल अब्दुल समद, प्रणल हलधर,।

संक्षिप्त समाचार

विराट टेस्ट क्रिकेट में 8000 रन बनाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बने

मोहाली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में 45 रन बनाने के साथ ही अपने 8000 रन पूरे किये हैं। विराट यह उपलब्धि हासिल करने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बने हैं। अपना 100वां टेस्ट खेल रहे कोहली ने सबसे तेज 8000 टेस्ट रन बनाने में स्टायलिश बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्म को पीछे छोड़ा है। कोहली टेस्ट में सबसे तेज 8000 रन बनाने वाले पांचवें भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने 169 पारियों में ये आंकड़ा हासिल किया है जबकि लक्ष्मण ने 201 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की थी। लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर 166 पारियों के साथ चौथे स्थान जबकि वीरेंद्र सहवाग 160 पारियों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं दूसरे नम्बर पर राहुल द्रविड़ हैं जिन्होंने यहां तक पहुंचने के लिए 157 पारियां खेली थी। पहले नंबर पर मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदलुकर हैं जिन्होंने मात्र 154 पारियों में टेस्ट में अपने 8000 रन पूरे किए थे।

मप्र की प्रज्ञा ने एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीता

भोपाल । मध्य प्रदेश की प्रज्ञा सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई फेंसिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है। 24 फरवरी से 3 मार्च तक कजाकिस्तान में हुई इस एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप में रजत विजेता प्रज्ञा ने मध्य प्रदेश फेंसिंग अकादमी में ट्रेनिंग ली है। मध्य प्रदेश की खेल मंत्री यशोधरा राजे ने इस उपलब्धि पर प्रज्ञा को बधाई दी है। एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप कजाकिस्तान में हुई थी। इस चैंपियनशिप में भारत के 12 सदस्यीय दल ने भी भाग लिया। इसमें मध्य प्रदेश फेंसिंग अकादमी से 2 खिलाड़ियों में प्रज्ञा शामिल थीं। पदक जीतने से उत्साहित प्रज्ञा ने कहा कि अपने प्रदेश और देश के लिए खेलना गर्व की बात है, मुझे खुशी है कि भारत के लिए खेलना का अवसर मिल रहा है। कोच भूपेंद्र सिंह चौहान हमेशा सहयोग करते है। प्रज्ञा ने अबतक राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 11 पदक जीते हैं।

8वीं लाल परेड ओपन भोपाल बैडमिन्टन प्रतियोगिता

भोपाल। पुलिस जिम्नेशियम हॉल में खेली जा रही 8वीं लाल परेड ओपन भोपाल बैडमिन्टन प्रतियोगिता के अंतर्गत 40 वर्ष वर्ग का खिताब अमित साहू ने प्रसन्न हलदे को सीधे गेमों में 21-10, 21-16 से परास्त कर जीत लिया। बालिका अंडर 15 में गरिमा सप्रे और अंडर 11 में अन्विता माहेश्वरी ने फाइनल में प्रवेश किया। प्रतियोगिता लाल परेड ग्राउन्ड स्पोटर्स क्लब द्वारा आयोजित की जा रही है। 40 वर्ष वर्ग के खिताबी मुकाबले में तीसरी वरीयता धारी अमित साहू ने प्रसन्न की गलतियों का लाभ उठाते हुए पहला गेम 21-10 से जीता। दूसरे गेम में प्रसन्न से कुछ अच्छा खेल दिखाते हुए मैच में वापसी करने का प्रयत्न किया, लेकिन अमित से सधे हुए स्मैश व सटीक रिटर्न से अंक बनाते हुए थोडा संघर्ष के उपरांत 21-16 से गेम जीतकर खिताबी जीत दर्ज की। संघर्ष के उपरांत 21-16 से गेम जीतकर खिताबी जीत दर्ज की। गेम हारने के बाद आरोही शर्मा को 17-21, 21-13, 21-10 से हराकरबालिका अंडर 15 सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय गरिमा सप्रे ने पहला गेम हारने के बाद आरोही शर्मा को 17-21, 21-13, 21-10 से हराकर खिताबी मुकाबले में कदम रखा। पहला गेम हारने के बाद गरिमा ने सटीक ताकतवर स्मैश व नेट पर अच्छे प्लेसमेंट से अंक बनाकर मैच अपने पक्ष में किया। सबसे छोटे आयु वर्ग अंडर 11 बनाकर मैच अपने पक्ष में किया। सबसे छोटे आयु वर्ग अंडर 11 बालिका वर्ग में अन्विका माहेश्वरी ने पूरी प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट खेल को जारी रखते हुए एस श्रीमन को 21-15, 21-17 से हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

शारजाह में टी20 टूर्नामेंट में खेलते नजर आयेंगे पूर्व क्रिकेटर और बॉलीवुड सितारे

मुम्बई ।

प्रशंसकों को 6 मार्च से शारजाह में एक टी-10 टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों के साथ ही बॉलीवुड अभिनेताओं को खेलते हुए देखने का भी अवसर मिलेगा। इरफान पठान, मोहम्मद कैफ, विनोद कांबली, मुनाफ पटेल और वेंकटेश प्रसाद जैसे भारतीय क्रिकेटर दिखेंगे। अजहरुद्दीन इंडिया लीजेंड्स टीम का नेतृत्व करेंगे। टूर्नामेंट में पाकिस्तान लीजेंड्स (इमरान नजीर के नेतृत्व में) जबकि वर्ल्ड लीजेंड्स इलेवन श्रीलंका के अजंता मेंडिस के नेतृत्व में उतरेगी। इसके अलावा एक बॉलीवुड किंग्स टीम अभिनेता सुनील शेट्टी के नेतृत्व में खेलेगी। इसमें क्रिकेटर से अभिनेता बने एस श्रीसंत और सलिल अंकोला जैसे पूर्व क्रिकेटर भी खेलेंगे। आयोजकों को उम्मीद है कि इस टी20 मुकाबले को देखने के लिए स्टेडियम में भारी तादाद में दर्शक आयेंगे।

चारों टीमें इस प्रकार हैं

इंडिया लीजेंड्स : मोहम्मद अजहरुद्दीन, अजय जडेजा, वूकंरी रमन, विनोद कांबली, मोहम्मद कैफ, रॉबिन सिंह, नयन मोंगिया, इरफान पठान, वेंकटेश प्रसाद, मुनाफ पटेल।

पाकिस्तान लीजेंड्स : इमरान नजीर, मोहम्मद यूसुफ, सलमान बट, तौफीक उमर, मोहम्मद इरफान, यासिर हमीद, राणा नवीद, रजा हसन।

वर्ल्ड लीजेंड्स इलेवन : अजंता मेंडिस, दिलशान तिलकरत्ने, एल्टन चिगुंबुरा, चामिंडा वास, अब्दुल रज्जाक, समीउल्लाह शिनवारी, जुपिटर घोष, जॉन सिम्पसन

बॉलीवुड किंग्स : सुनील शेट्टी, सोहेल खान, आफताब शिवदासानी, साकिब सलीम, शब्बीर अहलूवाला, जय भरुशाली, शरद केलकर, सलिल अंकोला, एस श्रीसंत।

जून में दक्षिण अफ्रीका से टी20 सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर टी20 सीरीज खेलेगी। 5 मैचों की इस घरेलू टी20 सीरीज का आयोजन आईपीएल के 15 सत्र के समाप्त होने के बाद होगा। इसके मुकाबले कटक, विशाखापत्तनम, दिल्ली, राजकोट और चेन्नई में खेले जाएंगे। बीसीसीआई के अनुसार इस सीरीज का पहला टी20 मैच 9 जून को जबकि 5वां और अंतिम मुकाबला 19 जून को खेला जाएगा। इस साल के अंत में होने वाले ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए ही यह सीरीज दोनों टीमों के लिए अहम बतायी जा रही है। भारतीय क्रिकेट टीम के हौसले इस समय बुलंद हैं। टीम इंडिया इस समय आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर कायम है। भारतीय टीम ने लगातार 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतकर अफगानिस्तान के सबसे ज्यादा मैच जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। टीम इंडिया के पास दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपने नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज करने का अवसर होगा। भारतीय टीम के लिए यह साल बेहद व्यस्त रहने वाला है। भारतीय टीम को जून में

आयरलैंड का भी दौरा करेगीहै। क्रिकेट आयरलैंड के जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों टीमों के बीच जून के अंतिम सप्ताह में 2 टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। सीरीज का पहला टी20 मैच 26 जून को जबकि दूसरा 28 जून को खेला जाएगा। भारतीय टीम इससे पहले अंतिम बार साल 2018 में आयरलैंड गयी थी।

सचिन से सीखना चाहते हैं ब्रेविस

मुंबई । अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले डेवाल्ड ब्रेविस अपनी अलग पहचान बनाना चाहते हैं। और इसलिए वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से बेहतर बल्लेबाज के टिप्स लेना चाहते हैं। इस क्रिकेटर को हाल ही में हुई आईपीएल नीलामी में मुंबई इंडियंस ने खरीदा था। उन्होंने 2022 अंडर-19 विश्व कप के दौरान 506 रन बनाते हुए शिखर धवन के एक टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन का रिकॉर्ड (505 रन) तोड़ा था जो उन्होंने 2004 में बनाया था।इसी के साथ ही उन्होंने 7 विकेट भी अपने नाम किए थे। दक्षिण अफ्रीका इसी के साथ ही उन्होंने 7 विकेट भी अपने नाम किए थे। दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के अंदाज में बल्लेबाजी करने के कारण उन्हें बेबी एबी के नाम से भी लोकप्रियता मिली है पर यह युवा खिलाड़ी तेंदुलकर और डिविलियर्स की तरह विनम्र बने रहना चाहते हैं। ब्रेविस ने तेंदुलकर को आदर्श माना और अब उनकी शैली भी अपनाना चाहते हैं। इस क्रिकेटर का कहना है कि मुंबई इंडियंस के साथ होने से उन्हें तेंदुलकर के साथ बातचीत करने और उनसे सीखने का मौका मिलेगा। ब्रेविस ने कहा, जिस तरह से उन्होंने खेला वह हमेशा मेरे लिए प्रेरणा थी। उनकी मेरी पसंदीदा पारी वनडे में दोहरा शतक है, जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ था। मुझे अपने भाई के साथ वह मैच देखना याद है - यह एक अद्भुत पारी थी। मैंने उनकी आत्मकथा प्लेइंग इट माई वे पढ़ी और वहां से बहुत सी चीजें हैं जिन्हें मैं अपने खेल में लागू करना चाहता हूं। मैंने उनसे एक बात सीखी है कि आपको विनम्र होना होगा क्योंकि गर्व पतन भी बन सकता है। वहीं अपने वाइड-ओपन स्टांस, हाफ-क्राउच और क्रिस्प शॉट्स के कारण स्टार बल्लेबाज डिविलियर्स के साथ तुलना के बारे में ब्रेविस ने कहा, उनसे तुलना करना सम्मान की बात है, लेकिन मेरे लिए अपनी खुद की पहचान होना जरूरी है। वहीं अपने वाइड-ओपन स्टांस, हाफ-क्राउच और क्रिस्प शॉट्स के कारण स्टार बल्लेबाज डिविलियर्स के साथ तुलना के बारे में ब्रेविस ने कहा, उनसे तुलना करना सम्मान की बात है, लेकिन मेरे लिए अपनी खुद की पहचान होना जरूरी है। मैं ब्रेविस के नाम से जाना जाना चाहता हूं। ब्रेविस ने कहा कि मुंबई द्वारा चुने जाने से मुझे काफी आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने कहा कि मैंने इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं की थी। मैं नीलामी के दौरान सीएसए टी20 चुनौती में टाइटन्स के लिए खेल रहा था और मेरा नाम सचमुच खेल के बीच में आया था। मेरा नाम सचमुच खेल के बीच में आया था। मैं आभारी हूं कि जोफा आर्चर और जसप्रीत बुमराह दोनों टीम में हैं।

यश दुबे के नाबाद शतक से केरल के खिलाफ मध्यप्रदेश की ठोस शुरुआत

रजत पाटीदार (75*) की उम्दा अर्द्धशतकीय पारी

इन्दौर/राजकोट ।

सलामी बल्लेबाज यश दुबे (105*) व रजत पाटीदार (75*) की नाबाद पारियों की बदौलत मध्यप्रदेश ने केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए लीग मैच के पहले दिन दो विकेट खोकर पर 218 रन बना लिये है। राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मध्यप्रदेश के सलामी बल्लेबाज हिमांशु मंत्री (23) और दुबे ने पहले विकेट के लिये 62 रन जोड़े। जलज सक्सेना ने मंत्री को राहुल के हाथों झिलवाकर पहली सफलता दिलायी, वहीं बायें हाथ के गेंदबाज सिजोमोन जोसेफ ने शुभम शर्मा (11) को पैवेलियन पहुंचाया। लगातार पिछले दो मुकाबलों में शतकीय पारी खेलने वाले शुभम का कैच विष्णु विनोद ने लपका। दो विकेट खोने के बाद भी यश दुबे ने पूरी एकाग्रता से अपना प्रदर्शन जारी रखा।

तीसरे विकेट के लिए रजत पाटीदार के साथ यश दुबे ने 130 रनों की नाबाद साझेदारी कर पहले दिन के खेल समाप्ति तक 90 ओवर में उन्होने स्कोर को 218 रनों तक पहुंचाया। यश दुबे ने

264 गेंद की अपनी नाबाद शतकीय पारी में 15 चौके जड़े, वहीं रजत पाटीदार ने 13 चौकों की मदद से नाबाद 75 रनों की पारी खेलकर यश का अच्छा साथ दिया। एक समय मध्य प्रदेश के लिए खेलने वाले जलज सक्सेना ने इस सत्र में केरल के लिये खेलते हुए 22 ओवर में 41 रन देकर 1 विकेट लिया, वहीं जोसेफ ने 22 ओवर में 54 रन देकर एक विकेट लिया।

एशियन फेंसिंग चैम्पियनशिप में चमकी म.प्र. की प्रज्ञा की तलवार

भोपाल । मध्यप्रदेश राज्य फेंसिंग अकादमी की तलवारबाज प्रज्ञा सिंह ने ताशकंद के उज्बेकिस्तान में 24 फरवरी से 3 मार्च तक खेली गई एशियन फेंसिंग चैम्पियनशिप में रजत पदक हासिल किया है। प्रज्ञा सिंह ने यह सफलता फेंसिंग की ईपी इवेंट में हासिल की है। उन्होंने फाइनल में उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी के साथ खेलते हुए 45-36 के स्कोर पर रजत पदक हासिल किया। प्रज्ञा सिंह अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक भूपेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में फेंसिंग खेल की बारीकियाँ सीख रही हैं। हाल ही में प्रज्ञा सिंह सीनियर ग्रांपी-2022 में भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं। खेल मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने प्रज्ञा सिंह की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा है कि फेंसिंग जैसे खेल में मध्यप्रदेश के किसान की बेटी ने रजत पदक हासिल किया है। यह गौरव का पल है। इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा है कि फेंसिंग जैसे खेल में मध्यप्रदेश के किसान की बेटी ने रजत पदक हासिल किया है। यह गौरव का पल है। मध्यप्रदेश की बेटियों ने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन शानदार तरीके से किया है। उन्होंने प्रज्ञा सिंह और उनके प्रशिक्षक भूपेन्द्र सिंह को इस सफलता के लिये बधाई दी है।

महा मुकाबले से पहले बल्ले पर बनी कलाकृतियों के कारण चर्चाओं में आई पाक गेंदबाज नशरा

क्राइस्टचर्च ।

महिला एकदिवसीय विश्व कप में भारत ओर पाकिस्तान टीमें रविवार छह मार्च को आने सामने होंगी। दोनों ही टीमें इस बड़े मुकाबले के लिए तैयार हैं क्योंकि दोनो ने ही अपने दो-दो अभ्यास मैच जीते हैं , ऐसे में दोनो ही टीमें उत्साह से भरी हैं। भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला अभ्यास मैच 2 रन से जीता था। वहीं दूसरा मुकाबला वेस्टइंडीज के खिलाफ 81 रन से जीता था। पाकिस्तान की बात करें तो उन्होंने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 4 विकेट जबकि दूसरे मैच में बांग्लादेश को 7 रनों से हराया था। इस मुकाबले से पहले ही पाकिस्तान की प्रमुख गेंदबाज नशरा संधू अपनी बल्ले पर बनी कलाकृतियों के कारण चर्चाओं में आई हैं।

पीसीबी ने सोशल मीडिया पर कुछेक तस्वीरें डाली हैं जिसमें नशरा अपने बल्ले के साथ दिख रही है। पाकिस्तान की प्रमुख गेंदबाज नशरा संधू अपनी बल्ले पर बनी कलाकृतियों के कारण चर्चाओं में आई हैं। पीसीबी ने सोशल मीडिया पर कुछेक तस्वीरें डाली हैं जिसमें नशरा अपने बल्ले के साथ दिख रही है। इस पर कैप्शन दिया गया था, जब वह गेंदबाजी नहीं करती। वह अद्भुत कलाकृति के साथ अपने आस-पास सभी को प्रभावित कर रही है।

महामुकाबले को लेकर दोनों देशों की टीमें

भारतीय महिला टीम : मिताली राज (कप्तान), हरमनप्रीत कौर (उपकप्तान), स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा, यास्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), स्नेह राणा, झूलन गोस्वामी, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, रेणुका सिंह ठाकुर, तानिया भाटिया (विकेटकीपर), राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव। स्टैंडबाय खिलाड़ी :ह्म एस मेघना, एकता बिष्ट, सिमरन दिल बहादुर।

पाकिस्तान महिला टीम : बिस्माह मारूफ (कप्तान), निदा डार (उपकप्तान), ऐमन अनवर, आलिया रियाज अनम अमीन, डायना बेग, फातिमा सना, गुलाम फातिमा, जावेरिया खान, मुनीबा अली, , अनम अमीन, डायना बेग, फातिमा सना, गुलाम फातिमा, जावेरिया खान, मुनीबा अली, नाहिदा खान, नशरा संधू, ओमैमा सोहेल, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज़ (विकेटकीपर) ट्रैवलिंग रिजर्व : इरम जावेद, नजीहा अल्वी और तुबा हसन।

हेली ने आईसीसी महिला विश्वकप में पहला शतक लगाया

माउंट मैनगुनेई । वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेटर हेली मैथ्यूज ने आईसीसी महिला विश्व कप के पहले ही मैच में मेजबान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार शतक लगाया है। हेली ने 128 गेंदों पर 119 रन बनाये। इसी के साथ ही वह आईसीसी महिला विश्व कप 2022 में शतक लगाने वाली पहली महिला बल्लेबाज हैं। हेली न्यूजीलैंड में शतक लगाने वाली वेस्टइंडीज की पहली महिला बल्लेबाज हैं। हेली के शतक से ही वेस्टइंडीज ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 259 रन बनाए और न्यूजीलैंड के सामने जीत के लिए 260 रनों का लक्ष्य रखा है। मैथ्यूज ने अपनी पारी के दौरान 16 चौके और एक छक्का लगाया। उनके अलावा वेस्टइंडीज की ओर से शेडियन नेशन ने 36 और कप्तान सारा टेलर ने 30 रनों की पारी खेली। मैथ्यूज ने अपनी पारी के दौरान 16 चौके और एक छक्का लगाया। उनके अलावा वेस्टइंडीज की ओर से शेडियन नेशन ने 36 और कप्तान सारा टेलर ने 30 रनों की पारी खेली। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड की ओर से ली तहूहू ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए जबकि जेस केर ने दो जबकि हनाह रो और एमेलिया केर ने एक-एक विकेट लिए।

बेटे की तरह नमक का कर्ज चुकाता रहूंगा : पीएम मोदी

मिर्जापुर, 04 मार्च (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि गरीब मां कह रही है कि हमने मोदी का नमक खाया। एक मां ये शब्द बोलती है। यह मेरे लिए शब्द नहीं आशीर्वाद है। कहा कि जो नमक आपने खिलाया है जीवन भर एक बेटे की तरह मां ये नमक का कर्ज चुकाऊंगा।

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को मिर्जापुर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी हमने देखा है। दुनिया के बड़े देश पस्त पड़ गए लेकिन भारत दो साल से 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त राशन दे रहा है। गरीब का चूल्हा बुझना नहीं चाहिए। हमारी सरकार दो लाख साठ हजार करोड़ खर्च कर गरीबों का चूल्हा जला रही है। गरीब मां कह रही है मेरे लिए शब्द नहीं आशीर्वाद होता है। माताओं बहनों को कहता हूं नमक आपने नहीं खाया है नमक मैने खाया है। आपने मुझे जो नमक खिलाया है उसे जीवन भर बेटे की तरह कर्ज चुकाता रहूंगा। लोगों के खाते में हजारों करोड़ रुपये कोरोना काल में भेजे हैं। किसानों के खाते में सीधे सवा लाख करोड़ रुपये दिए हैं। मिर्जापुर के किसानों को 400 करोड़ से अधिक भदोही के किसानों को 250 करोड़ भेजे हैं। इससे गरीब को प्राथमिकता दी गई है। नागरिकों को वैक्सीन के लिए विदेशों में हजारों खर्च करना पड़ रहा है। भारत में फ्री वैक्सीन लग रही है।

पीएम ने कहा कि राष्ट्र भावना वाला नेतृत्व चाहिए। जो ईमानदार हो, जो विकास के लिए दिन रात मेहनत करना जानता हो। या जिनका इतिहास परिवारवाद की काली स्याही से रंगा हो। उसे आप जानते हैं। हजारों करोड़ घोटालों, यूपी को लूटने, आतंकी व दंगाई को मदद करने वाले, माफिया को पालने का इतिहास है। ये देश व यूपी का भला नहीं कर सकते हैं। बस समाज को तोड़ो और लोगों को बांटो व सरकार में आकर लूटो। क्या ये खेल पसंद है? ऐसा खेल खेलने देना है क्या? ऐसे लोगों के लिए गरीब की मदद व चिंता करने की फुर्सत नहीं है। ये यूपी व देश को ताकतवर नहीं बना सकते। इसलिए आपको एकजुट होकर साथ खड़े होकर कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने का समय है। समर्थ भारत, शसक्त यूपी को साकार करने के लिए वोट दें।

मोदी ने कहा कि यूपी के विकास के लिए डबल इंजन की सरकार लगातार चाहिए। घोर परिवारवादियों के कुशासन का नुकसान गरीबों, दलितों और पिछड़ों के साथ आदिवासियों और मां बहनों ने भुगता है। आपसे निवेदन है कि बहन बेटियों को सताने वालों को सजा देने का समय है। दोबारा कभी बहन बेटियों को कोई ताकि संकट न आए। इस धरती ने सोने लाल पटेल जैसे नेता दिए हैं। सरदार पटेल के सपनों को जीवन का संकल्प दिया और समर्पित किया है। गरीबों को परिवारवादियों ने लाभ नहीं

पहुंचने दिया। गरीबों को घर के लिए वादा नहीं संकल्प है। करोड़ों घर बन चुके हैं, शेष भी हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आंकड़ा सुनकर हैरान होंगे कि मिर्जापुर शहर में गरीबों के लिए उनकी सरकार थी तो 800 घर गरीबों के पांच साल में बनाए। लेकिन योगी सरकार में 40 हजार से अधिक आवास मिर्जापुर के गरीबों को स्वीकृत किए। भदोही मीरजापुर क्षेत्र अद्भुत कलाकारों कारीगरों बुनकरों और शिल्पकारों का रहा है। लेकिन वर्षों तक घोर परिवारवादियों ने इनके विकास के बारे में नहीं सोचा। भाजपा सरकार ने सामथ्र्य बढ़ाने का सस्ता और आसान काम कर रही है। यहां के हजारों परिवारों को मदद मिली है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस समय पूरा विश्व इस शताब्दी के बहुत नाजुक दौर में हैं। महामारी, अशांति, अनिश्चितता इससे आज दुनिया के अनेक देश प्रभावित हो रहे हैं। संकट चाहे जितना भी गहरा हो, भारत के प्रयास उससे भी ज्यादा बड़े रहे हैं, उससे भी ज्यादा रहे हैं।

अफगानिस्तान में हजारों भारतीय संकट में फंसे तो हमने ऑपरेशन देवी शक्ति चलाकर अनेकों भारतीयों को वहां से सुरक्षित बाहर निकाला। कोरोना में हमारे लाखों भारतीय पूरी दुनिया में फंसे हुए थे। भारत ने ऑपरेशन वंदे भारत चलाकर अपने एक-एक नागरिक को वापस आने में मदद की। अभी यूक्रेन की स्थिति सारी दुनिया देख रही है। युद्ध में फंसे अपने एक एक नागरिक को, हमारे विद्यार्थियों को वापस लाने के लिए भारत दिन रात जुटा हुआ है। 'ऑपरेशन गंगा' चलाकर हम हजारों बच्चों को यूक्रेन से सुरक्षित ला चुके हैं।

मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए लोगों से कहा कि उन्हें परिवारवादियों और माफियाओं को हराना है और उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनानी है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को लगातार ऐसा नेतृत्व चाहिए जो राष्ट्रभक्ति की भावना से भरा हुआ हो।

समाजवादी पार्टी (सपा) का नाम लिए बिना मोदी ने कहा, यह जो घोर परिवारवादी हैं इनके इतिहास का एक-एक पन्ना काली स्याही से रंगा हुआ है, आप उस इतिहास को अच्छी तरह से जानते हैं। इनका इतिहास हजारों करोड़ रुपये के घोटालों का हैं और राज्य को लूटने का है। इनका इतिहास आतंकियों को छोड़ने और दंगाइयों को मदद करने का है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास एक ही काम है- समाज को तोड़ना, लोगों को बांटना, सत्ता हथियाना और राज्य को लूटना। उन्होंने कहा कि राज्य में पिछली सरकार के दौरान मिर्जापुर में गरीबों के लिए केवल 800 मकान बनाए गए थे, लेकिन योगी आदित्यनाथ सरकार ने 40,000 मकानों को मंजूरी दे दी है, जिनमें से 28,000 मकान पहले ही बन चुके हैं।

उन्होंने कहा, कड़ी मेहनत करना परिवारवादियों के शब्दकोश में नहीं है। उनके पास गरीबों की मदद करने और चिंता करने का समय नहीं है। वे देश और उत्तर प्रदेश को मजबूत नहीं बना सकते। उन्होंने कहा कि यह एक साथ खड़े होने का समय है।

मोदी ने कहा, आपका वोट इस बार देश को सक्षम बनाने और एक मजबूत राज्य के सपने को साकार करने के लिए है।

उन्होंने कोविड महामारी का जिक्र करते हुए कहा कि बड़े-बड़े देश भी बेबस नजर आए, लेकिन भारत में हमने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मुहैया कराया।

भारत ग्रीन हाइड्रोजन का केंद्र बन सकता है : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 04 मार्च (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत ग्रीन हाइड्रोजन का केंद्र बन सकता है क्योंकि उसके पास नवीकरणीय ऊर्जा बहुतायत में उपलब्ध है और इस वजह से देश स्वाभाविक फायदे की स्थिति में है।

सतत विकास के लिए ऊर्जा विषय पर आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत का दृष्टिकोण स्पष्ट है कि सतत विकास, सतत ऊर्जा स्रोतों से ही संभव है।

उन्होंने कहा, सतत विकास के लिए ऊर्जा हमारी पुरातन संस्कृति से भी प्रेरित है और यह भविष्य की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं की पूर्ति का मार्ग भी है।

कार्बन उत्सर्जन सहित जलवायु परिवर्तन से जुड़े अन्य मुद्दों पर भारत के लक्ष्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश इन्हें चुनौती की तरह नहीं बल्कि एक अवसर के रूप में देखता है।

उन्होंने कहा कि भारत इसी दृष्टिकोण पर पिछले कुछ वर्षों से चल रहा है और इस बार के आम बजट में इनको नीतिगत स्तर पर और आगे बढ़ाया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बजट में सौर ऊर्जा की दिशा में उच्च दक्षता वाले सोलर मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए 19,000 करोड़ रुपए की घोषणा की गई है और इस मॉड्यूल व इससे जुड़े उत्पादों के निर्माण और शोध से भारत को वैश्विक केंद्र बनाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा, बजट में नेशनल हाइड्रोजन मिशन की भी घोषणा की गई है। भारत के पास प्रचुर मात्रा में उपलब्ध नवीकरणीय ऊर्जा एक स्वाभाविक फायदा है। इससे भारत विश्व में ग्रीन हाइड्रोजन का केंद्र बन सकता है।

उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन इकोसिस्टम, फर्टिलाइजर, रिफाइनरी और परिवहन क्षेत्र एक दूसरे से जुड़े हुए हैं और यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें निजी क्षेत्र को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि भारत की पूरी क्षमता का उपयोग किया जा सके।

ज्ञात हो कि स्वच्छ वैकल्पिक ईंधन विकल्प के लिये हाइड्रोजन पृथ्वी पर उपलब्ध सबसे प्रचुर तत्त्वों में से एक है। ग्रीन हाइड्रोजन नवीकरणीय ऊर्जा (जैसे सौर, पवन) का उपयोग करके जल के इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा निर्मित होती है और इसमें कार्बन फुटप्रिंट कम होता है।

भूकंप पर मॉक ड्रिल को लेकर तैयारी बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मार्च। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसएसडीएमए) द्वारा आयोजित भूकंप आपदा पर राज्य स्तरीय मॉक अभ्यास की पहली प्रारंभिक बैठक आज जिला प्रशासन केंद्र के सम्मेलन हॉल में आयोजित की गई।

एडीसी तुषार निखारे ने विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ अप्रत्याशित आपदाओं के दौरान एक दूसरे के साथ समन्वय करने के लिए और त्वरित प्रतिक्रिया, संचार योजनाओं, स्टॉक, कार्यालय संसाधनों और उनके तंत्र के बारे में बातचीत की। एडीसी निखारे ने कहा कि मॉक एक्सरसाइज का मूल उद्देश्य संबंधित विभागों की आपातकालीन तैयारी योजना की समीक्षा करना और मानक संचालन प्रक्रिया की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना था, ताकि संबंधित व्यक्ति जान-माल का संज्ञान लेते हुए अपने कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें।

उन्होंने कहा कि मॉक ड्रिल से आपदा से निपटने की क्षमता को मजबूत करने, आपदाओं के प्रभाव को कम करने और आपदा की तैयारियों की जांच करने में मदद मिलेगी।

बैठक का उद्देश्य जिला स्तर पर आपदा प्रबंधन की तैयारियों की जांच करना था। एडीसी निखारे ने कहा कि टेबल टॉप अभ्यास 9 मार्च 2022 को आयोजित किया जाएगा और उसके बाद 10 मार्च 2022 को जिलेवार मॉक-ड्रिल किया जाएगा। बैठक में राहत प्रभारी श्रीमती राधा प्रधान एडीसी विकास भी मौजूद थीं।

भारत तक पहुंचने वाला है यूक्रेन का असर, बढ़ेंगी पेट्रोल-डीजल की कीमतें

नई दिल्ली, 04 मार्च (एजेन्सी)। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले एक सप्ताह से जारी जंग के बीच भारत के लिए झटके वाली खबर सामने आई है। अगले सप्ताह तक भारत पर भी यूक्रेन में युद्ध का असर दिखने वाला है। जल्द ही पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ सकते हैं। मुद्रास्फीति के बारे में बढ़ती चिंता के बीच सरकारी अधिकारियों का कहना है कि भारत में चार महीने से अधिक समय में पहली बार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि होगी क्योंकि रूस और यूक्रेन के बीच एक सप्ताह से जारी जंग के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई हैं।

एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत जो अपनी तेल की जरूरतों का 80 प्रतिशत आयात करती है, इस वक्त यूक्रेन संकट से अछूता नहीं है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के बाद इसका असर भारत में भी पड़ने वाला है।

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बाद कंपनियां जल्द ही पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोत्तरी कर सकते हैं। राज्य सरकारों द्वारा संचालित इन कंपनियों ने 4 नवंबर से ईंधन के दामों में बढ़ोत्तरी नहीं की है। ऐसा माना जा रहा है कि यूपी समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद ऐसा फैसला लिया गया था, लेकिन अब जल्द ही ईंधन के दामों में बढ़ोत्तरी हो सकती है।

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया, '7 मार्च को चुनाव खत्म होने के बाद तेल कंपनियां चरणबद्ध तरीके से कीमतें बढ़ाने के लिए स्वतंत्र होंगी।' ईंधन की ऊंची कीमतों के कारण कुछ विरोध प्रदर्शन हो सकते हैं, लेकिन महत्वपूर्ण राज्यों में चुनाव के चलते मोदी सरकार राजनीतिक नुकसान के अंदेश से ईंधन के दामों में बढ़ोत्तरी से बच रही थी। लेकिन अब ईंधन के दामों में बढ़ोत्तरी होना तय माना जा रहा है।

हालांकि आगामी 14 मार्च से संसद की बैठक में विपक्षी दल ईंधन कर में कटौती पर जोर देने पर विचार कर रही है।

गौरतलब है कि बीती 24 फरवरी को रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद तेल की कीमतों में उछाल आया। गुरुवार को ब्रेंट 116 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर उठ गया, जबकि आपूर्ति में व्यवधान ने गेहूं, सोयाबीन, उर्वरक और तांबा, स्टील और एल्यूमीनियम जैसी धातुओं की वैश्विक कीमतों को भी प्रभावित किया है।

एक दूसरे अधिकारी ने कहा कि राज्य की तेल कंपनियों ने सरकार से कहा है कि उन्हें पेट्रोल और डीजल के दाम में 10-12 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की जरूरत है। एक सरकारी तेल विपणन कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि वे कठिनाइयों का सामना कर रहे थे, हालांकि उन्होंने आंकड़े देने से इनकार कर दिया। ये जरूर कहा कि हमें भारी नुकसान हो रहा है।

गुजरात में होने वाली डिफेंस एक्सपो 2022 स्थगित, रक्षा मंत्रालय ने कहा- जल्द बताएंगे नई तारीख

नई दिल्ली, 04 मार्च (एजेन्सी)। गुजरात में होने वाली डिफेंस एक्सपो 2022 स्थगित कर दी गई है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि गुजरात के गांधीनगर में 10 मार्च से 14 मार्च तक आयोजित होने वाली डिफेंस एक्सपो 2022 स्थगित कर दी गई है।

प्रवक्ता ने कहा, 'प्रतिभागियों द्वारा अनुभव की जा रही लॉजिस्टिक समस्याओं के कारण, गांधीनगर, गुजरात में 10 मार्च से 14 मार्च तक आयोजित होने वाले डिफेंस एक्सपो 2022 को स्थगित कर दिया गया है। नई तारीखों के बारे में उचित समय पर सूचित किया जाएगा।'

बता दें कि डिफेंस एक्सपो में भारतीय रक्षा मंत्रालय देश की सैन्य ताकत प्रणाली का प्रदर्शन करता है। इसमें दूसरे देश और रक्षा सामान बनाने वाली कंपनियां भी हिस्सा लेती हैं। रक्षा मंत्रालय डिफेंस एक्सपो का आयोजन हर दो साल में करती है।

पिछली बार डिफेंस एक्सपो का आयोजन 5-9 फरवरी, 2020 को लखनऊ में हुआ था, जिसमें कई देशों ने हिस्सा लिया था और 12 लाख से ज्यादा लोग इसे देखने पहुंचे थे।

यूक्रेन में फंसे सिक्किम के चार छात्र सुरक्षित लौटे

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मार्च। रूस के हमले से बुरी तरह से प्रभावित यूक्रेन से भारतीयों को वापस लाने के लिए भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन गंगा के तहत सिक्किम के चार छात्र आज यहां के पाकिम एअरपोर्ट पहुंचे। आज सिक्किम पहुंचने वाले चार छात्रों के नाम निशा छेत्री, फुरबा शेरपा, मिजपा लोसिस राई और आस्था गोयल हैं।

यूक्रेन में फंसे सिक्किम के छात्रों की पूरी निकासी प्रक्रिया की सिक्किम सरकार द्वारा बारीकी से निगरानी की जा रही है और तदनुसार अत्यंत निरंतरता और प्रतिबद्धता के साथ निष्पादित किया जा रहा है। बताते चलें कि मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) सिक्किम के छात्रों को उनके घरों तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए व्यक्तिगत तौर पर पूरे अभियान की निगरानी कर रहे हैं।

उन्होंने छात्रों को सुरक्षित वापस लौटने में मदद करने के लिए वित्तीय सहायता के साथ अन्य सभी आवश्यक सहायता प्रदान की है। आईपीआर द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि यूक्रेन से लौट रहे छात्रों के साथ मुख्यमंत्री कार्यालय लगातार संपर्क में है और इस आपात स्थिति से जुड़े हालात पर पैनी नजर रखी जा रही है।

हाईकोर्ट ने पूर्व डीजीपी की 'गिरफ्तारी' को लेकर 'हमेशा' के लिए दे दी सुरक्षा, सुप्रीम कोर्ट हैरान

नई दिल्ली, 04 मार्च (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा पंजाब के पूर्व डीजीपी सुमेध सिंह सैनी को भविष्य के सभी मामलों में सुरक्षा देने के अभूतपूर्व आदेश पर हैरानी व्यक्त की है। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को दो सप्ताह के भीतर उनकी याचिका पर फैसला करने को कहा।

भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना और न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और हेमा कोहली की पीठ ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि या तो खुद मामले की सुनवाई करें या इसे किसी अन्य पीठ को सौंपें। सुप्रीम कोर्ट न कहा कि ये मामला अंतरिम आदेश पारित करने वाले को न सौंपे। शीर्ष अदालत ने सैनी को भविष्य के सभी मामलों में सुरक्षा देने के उच्च न्यायालय के आदेश को 'अभूतपूर्व' करार दिया।

पीठ ने कहा, 'यह अभूतपूर्व आदेश है। भविष्य की कार्रवाई पर कैसे रोक लगाई जा सकती है? यह चौंकाने वाला है और हम तीनों (न्यायाधीशों) को लगता है कि यह अभूतपूर्व है। इसके लिए सुनवाई की आवश्यकता होगी।'

बता दें कि कल, उच्च न्यायालय ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित बलवंत सिंह मुल्तानी की हत्या के मामले को छोड़कर, सैनी के खिलाफ लंबित या दर्ज होने की संभावना वाले सभी मामलों में उनकी गिरफ्तारी पर रोक 20 अप्रैल तक बढ़ा दी।

शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा, 'हम उच्च न्यायालय से अनुरोध करेंगे कि दो सप्ताह के भीतर याचिका का निपटारा किसी अन्य न्यायाधीश द्वारा किया जाए, न कि उसी न्यायाधीश द्वारा। हम मुख्य न्यायाधीश से इसे स्वयं या किसी अन्य न्यायाधीश को देने का अनुरोध करते हैं और हम इस मामले (एसएलपी) को (सुप्रीम) कोर्ट में लंबित रखेंगे।'

सैनी ने हाईकोर्ट में अपने खिलाफ लंबित सभी आपराधिक मामलों को सीबीआई को ट्रांसफर करने की मांग की है। सैनी की

ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने पीठ को बताया कि सैनी के खिलाफ पंजाब सरकार की ओर से प्रयास किए गए हैं। उन्होंने आगे तर्क दिया कि सैनी की हत्या के प्रयास हुए थे और उनके खिलाफ आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज थे।

इस पर सीजेआई रमण ने कहा, 'चाहे कुछ भी हो, आप यह कहते हुए आदेश नहीं दे सकते कि भविष्य के मामलों में भी उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सकता? यह क्या है?'

पंजाब के महाधिवक्ता डीएस पटवालिया ने तर्क दिया कि उच्च न्यायालय द्वारा एक पूर्ण रोक, हर चीज के खिलाफ सुरक्षा है। 1982 बैच के आईपीएस अधिकारी सैनी, जो देश के सबसे कम उम्र के डीजीपी थे, 36 साल की सेवा के बाद 2018 में सेवानिवृत्त हुए।

पीएम मोदी असली 'समाजवादी' : राजनाथ सिंह

जौनपुर, 04 मार्च (एजेन्सी)। रक्षा मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि एक सच्चा 'समाजवादी' वह है जो लोगों को भय, भूख और भ्रष्टाचार से मुक्त कर सके और असली 'समाजवादी' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। जौनपुर के मल्हानी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, वे कहते हैं कि हम समाजवादी हैं लेकिन वास्तव में, समाजवादी वह है जो लोगों को भय, भूख और भ्रष्टाचार से मुक्त कर सकता है।

अगर हम बयान का परीक्षण करते हैं, तो असली समाजवादी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी हैं। उन्होंने कहा, हम 'समाजवादी' और 'राष्ट्रवादी' हैं और एक रक्षा मंत्री होने के नाते दुनिया की सबसे बड़ी ताकत भी भारत माता को नुकसान नहीं पहुंचा सकती है। जब से समाजवादी पार्टी की सरकार आई है, उत्तर प्रदेश में रेप, लूट, डकैती, भ्रष्टाचार के मामले बढ़े हैं। यह सब हमें आपको बताने की जरूरत नहीं है। आप पहले से ही जानते हैं।

उन्होंने आगे कहा, अपराधी सशक्त हैं, अधिकारी समाजवादी पार्टी, बहुजन समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के शासन में अपराधियों को छूने की हिम्मत नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, बसपा, सपा, कांग्रेस के शासन में तबादला और पदस्थापन एक नियमित बात है लेकिन भाजपा के शासन में कोई भी अनावश्यक तबादला करने की हिम्मत नहीं कर सकता। तीन साल के भीतर, कोई भी घर नहीं छोड़ा जाएगा जहां नल और नल का पानी उपलब्ध नहीं है। आपने महिलाओं को कुओं से पानी से भरे बर्तन ढोते देखा होगा। मुझे लगता है कि महिलाओं को इस समस्या से मुक्त किया जाना चाहिए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com